मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-2, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 237 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
11 फरवरी 2024 रविवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

फर्क भाजपा और कांग्रेस के बदलते मूल पिंड का

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रखर समाजसेवी रहे ,स्व.कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न का ऐलान करके बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पलटी पर मजबूर किया तो वही काम देश के बड़े किसान नेता और जाट समाज में जन्मे प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह को नवाजकर किया है। मामला आडवाणी का हो या स्वामीनाथन का फिर कांग्रेस के सबसे ज्यादा कामयाब प्रधानमंत्री में शुमार पीवी नरसिंहाराव का हो, मोदी के हर दांव में पेंच हैं। मोदी या राहुल ही क्यों दोनों ही नेताओं और उनकी पार्टी के सलाहकारों की समझ को साफ समझा जा सकता है।

बिहार की अति पिछड़ी में गिनी जाने वाली नापित (नाई) जाति से ताल्लुक रखने वाले ठाकुर को बिहार के तत्तकालीन मुख्यमंत्री लालू यादव ने कभी वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। देश में नई वैश्विक आर्थिक नीत का पिटारा खोलने वाले पीवी नरसिंहाराव को पांच साल के प्रधानमंत्री रहने के बाद पद से हटने पर गांधी परिवार ने कितना बेइज्जत किया वह किसी से छुपा नहीं है। यहां तक कि 2004 में जब उनका निधन हुआ तो दिल्ली में उनका दाह संस्कार तो छोड़िए कांग्रेस दफ्तर में उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शन की इजाजत तक नहीं मिली। 1980 में जनता पार्टी सरकार में बिखराव के बाद कांग्रेस ने पहले चौधरी चरण सिंह को प्रधानमंत्री बनने के लिए सहयोग दिया। लेकिन छह महीने के भीतर समर्थन वापस लेकर इस किसान नेता को बेइज्जत किया।

यही नहीं नरेंद्र मोदी पर प्रधानमंत्री बनने के बाद आडवाणी को लेकर उन पर अहसान फरामोश की तोहमत लगी थी। लेकिन रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आडवाणी को भारत रत्न देकर इस दाग को धो डाला। भारत में कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए मशहूर कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन को कांग्रेस ने जिम्मा सौंपा था। लेकिन उनकी सिफारिशों के जिस तरह कूड़ेदान में डाला गया वह किसी से छुपा नहीं हैं। लेकिन कांग्रेस ने उनकी सिफारिशों को लागू भी नहीं होने दिया।

इसके विपरीत कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी की रीति नीति समझ से परे है। मुझे याद है जब दिग्विजय सिंह मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो उनके सलाहकारों ने उन पर लालू और मायावती की स्टाइल में सियासत का भूत चढ़ा दिया था। मित्र और प्रदेश के शुभचिंतक के नाते लोगों ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि वह न तो यादव समाज से आते हैं और न उन्होंने जाटव समाज में जन्म लिया है, इसलिए वे जात पांत की राजनीति में पडने् के बजाए कांग्रेसी विचारधारा की पटरी पर ही अपनी सरकार चलाएं। लेकिन अपने सलाहकारों की जिद पर अड़े दिग्गीराजा नहीं माने। नतीजतन 2003 में कांग्रेस 39 सीटों पर जाकर सिमट गई थी।

आज राहुल गांधी के साथ कमोबेश यही हो रहा है। वह चुनावी तैयारी में जुटने के बजाए जातिगत आरक्षण पर अड़े हैं रागा(राहुल गांधी) का एक ही राग हर रोज बज रहा है -जातिगत आरक्षण का। वह पूछते हैं कि प्रधानमंत्री दफ्तर में पिछड़े समाज से जुड़े कितने अफसर काम कर रहे हैं? कभी राहुल गांधी यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर राहुल गांधी तक उनके सचिवालय में कितने अफसर पिछड़े वर्गो से ताल्लुक रखते थे? अगर पिछड़े वर्ग के अफसर प्रधानमंत्री सचिवालय में तैनात हो जाएंगे तो क्या सारे काम संविधान और नियम सम्मत तरीकों से होने लगेंगे?

और तो छोड़िए अब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पिछड़ा वर्ग का होने से नकार रहे हैं। वह अधकचरी जानकारी के मुताबिक उन्हें जन्म के 50 साल बाद वाला पिछड़ा कह रहे हैं। क्या राहुल गांधी को नहीं पता कि देश के कई राज्यों में पिछड़ों को आरक्षण अलग-अलग वक्त होता आया है। खुद मध्यमप्रदेश में पिछड़ों की पहचान के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी रामजी महाजन को काम सौंपा था। तो क्या मान लिया जाए कि पिछड़े वर्गो में शामिल 1984 ले पहले जन्म लेने वालों को पिछड़ा नहीं माना जाए? खुद भारत सरकार ने 1951 में 105 जातियों को पिछड़ा मानकर राज्यों को उन पर विचार करने को कहा था। 1991 में कांग्रेस के समर्थन से चलने वाली नता दल की छबीलदास सरकार ने गुजरात में 35 जातियों को पिछड़ों के बतौर छांटा था जिनका 1999 में नोटिफिकेशन हुआ।

राहुल गांधी की पिछड़ा वर्ग मुहिम से देश को क्या फायदा होगा यह तो वही जाने लेकिन यह तय है कि कांग्रेस और जनता के बीच कनेक्ट दोबारा पैदा करने के लिए भारत जोड़ो और न्याय यात्रा सरीखा जो काम राहुल गांधी को 2014 में कांग्रेस की करारी हार के तुरंत करना चाहिए था वह तब कर रहे हैं। जब पार्टी बिखराव की ओर है। कुल मिलाकर देखें तो कांग्रेस 1947 के पहले जिस सर्वसमावेशी और सर्वस्पर्शी मिजाज के लिए जानी जाती था, उसे सोनिया-राहुल गांधी की कांग्रेस ने अहंकार और बदला लेने की प्रवृत्ति के चलते गवां दिया और मोदी ने भले ही लोकसभा चुनाव की राजनीति के बहाने इस मौके को लपकते हुए जाति, धर्म और राजनीति से परे रखकर देश की विभूतियों को भारत सम्मान देकर कांग्रेस को मीलों पीछे छोड़ दिया।

झाबुआ में सात हजार करोड़ के कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

आदिवासी इलाके से मप्र में मोदी मिशन की शुरूआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में आज का दिन लोकसभा चुनाव के नजरिये से काफी अहम बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन में पहुंचकर प्रकारांतर से भाजपे के चुनाव अभियान की शुरूआत कर दी है। उन्होंने मप्र को सात हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। इस मौके पर उन्होंने आदिवासियों के प्रति भाजपा की चिंता व प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में मोदी एक रथनुमा वाहन पर सवार होकर सीएम के साथ सभा स्थल पहुंचे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी उपस्थित रहे। मोदी ने आहार अनुदान योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया परिवार की महिलाओं के खातों में आहार अनुदान की मासिक किस्त अंतरित की तथा स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को अधिकार अभिलेख वितरण, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 559 गांवों में विभिन्न गतिविधियों के लिए 55.9 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने झाबुआ के लिए सीएम राइज स्कूल, धार और रतलाम के 1हजार से अधिक गांवों के लिए पेयजल आपूर्ति की तलवाड़ा परियोजना, अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) 2.0 के तहत 14 शहरी जलापूर्ति योजनाओं की आधारशिला भी रखी। जबकि 50 ग्राम पंचायतों के लिए नल-जल योजना, इंदौर-देवास-उज्जैन सी केबिन रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना, इटारसी-यार्ड रीमाडलिंग के साथ उत्तर-दक्षिण ग्रेड सेपरेटर और बरखेड़ा-बुदनी-इटारसी को जोड़ने वाली तीसरी लाइन सहित 3,275 करोड़ से अधिक की कई सड़क विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित की।

झाबुआ से 'शुरूआत' का गणित

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित सभी छह सीटें जीती थीं। हाल के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इन क्षेत्रों में बढ़त बनाई है। सूबे की राजनीति में आदिवासी मतदाताओं का खासा महत्व है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की तरफ हुआ और उसने एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित 47 सीटों में से 30 जीती थीं। इस बार के विस में भाजपा की इस वर्ग को वापस अपने पाले में लाने में कसर बाकी रह गई है। प्रधानमंत्री के दौरे से भाजपा आदिवासी समीकरणों को साध रही है।

फिर बिहार में खेला के आसार तेजस्वी के घर बिछीं सौ खाट

पटना , एजेंसी।

कल सोमवार को बिहार में नीतीश सरकार को बहुमत साबित करने की चुनौती है। ऐसे में बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज है। लालू यादव की पार्टी राजद हर हाल में नीतीश का खेल बिगाड़ने की कोशिश में हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पार्टी के सभी विधायकों को अपने आवास पर ठहराया हुआ है तो वहीं बीजेपी अपने विधायकों को बोथगया में ट्रेनिंग दे रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के भी वहां पहुंचने की खबरे हैं। उधर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के 5 विधायक मंत्री श्रवण कुमार के घर पर आयोजित भोज में नहीं पहुंचे।

राजद विधायकों ने तेजस्वी के आवास पर रात गुजारी और उनकी कुछ तस्वीरें भी आज सामने आई। रात को विधायकों का सामान उन तक पहुंचाया गया और फिर उनके लिए डिनर का विशेष प्रबंध किया गया। विधायकों की संख्या ज्यादा होने की वजह उनके लिए सौ से अधिक खटियों का इंतजाम किया गया। इस बीच जेडीयू ने एनडीए की नवगठित सरकार के विश्वास मत हासिल करने के दौरान सोमवार को पार्टी के सभी विधायकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए व्हिप जारी किया है। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए के विधायकों की संख्या 128 है, जो बहुमत के आंकड़े से 6 अधिक है। वहीं विपक्षी महागठबंधन के पास 114 सदस्य हैं। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) शामिल हैं।

रामलला के दर्शन करने भाजपा समेत सभी दल आज अयोध्या में

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में विधानसभा स्पीकर के निमंत्रण पर सभी विधायक और मंत्री लखनऊ से अयोध्या जा रहे हैं, जहां भगवान राम लला के दर्शन करेंगे। विधानसभा स्पीकर सतीश महाना ने सभी दलों के विधायकों से चलने की अपील की थी, लेकिन समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर इनकार कर दिया। सपा के छोड़कर भाजपा, आरएलडी और बसपा समेत अन्य दलों के लिए अधिकांश विधायक सुबह विधानसभा में जुटे और यहां से 10 लक्जरी बसों में सवार होकर अयोध्या के लिए रवाना हुए। इस दौरान विधायकों ने जयश्री राम के नारे लगाए।

जबलपुर में ओले गिरे, नर्मदापुरम में बारिश

भोपाल । अब मध्यप्रदेश में अगले तीन दिन बादल, बारिश और आंधी वाले हैं। आज सुबह जबलपुर और उमरिया में तेज बारिश हुई। जबलपुर में बरगी तहसील के सोहड़ गांव में 2 मिनट तक ओले भी गिरे। सिवनी और मंडला में भी काफी समय ओले गिरे। यहां ओलावृष्टि से फसलों में काफी नुकसान हुआ है। वहीं नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, अनूपपुर, मंडला, बालाघाट में बारिश हुई है। भोपाल में भी आज सुबह हल्की धूप के बाद बादल छा गये हैं। यहां भी हल्की बूंदांबांदी के आसार हैं।

मेट्रो एंकर

इसे सुनियोजित विरोध प्रदर्शन का तरीका भी माना जा रहा है

अंतिम संस्कार में गए रेलकर्मी, मुबंई में लोकल थमीं!

मुबंई , एजेंसी।

हमने अक्सर देखा या सुना है कि खराब मौसम या विरोध प्रदर्शनों की वजह से रेल सेवाएं कई बार प्रभावित होती है। मगर अब मुंबई में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां लोकल की 88 ट्रेनों समेत कुल 147 ट्रेनों की सेवाओं को इसलिये रद्द करना पड़ा,क्योंकि रेलकर्मी अपने साथी के अंतिम संस्कार में गये थे। खबरों के मुताबिक बीती रात मुंबई की भायखला और सैंडहर्स्ट रोड स्टेशन के बीच सेंट्रल और हार्बर लाइन पर उपनगरीय ट्रेन सेवाओं में देरी होने लगी, जिससे यात्री परेशान हो गए और जब इन्होंने वजह जानने की कोशिश की, तो कारण सामने निकलकर आने पर दंग रहे गये। हालांकि इस घटना को अफसर जैसा बता रहे हैं, वैसा सहज रूप से लग नहीं रहा। दरअसल इसे रेल कर्मचारियों के विरोध का तरीका भी बता रहे हैं।

इस घटना से ये सवाल इसलिये उठ रहे हैं कि सुनियोजित विरोध प्रदर्शन तो नहीं था? क्योंकि अतीत में मोटरमैन काम के अत्यधिक दबाव का मुद्दा उठा चुके हैं। शाम के व्यस्त समय में सेवाओं में देरी के कारण बड़ी संख्या में यात्री सीएसएमटी और अन्य स्टेशनों पर फंसे रहे और उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया, 'सेवाओं में देरी हुई क्योंकि कई मोटरमैन कल्याण में अपने सहयोगी मुरलीधर शर्मा के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे, जिनकी शुक्रवार को पटरी पार करते समय बायकुला और सैंडहर्स्ट रोड स्टेशनों के बीच मौत हो गई थी।' उन्होंने बताया कि शर्मा का अंतिम संस्कार दोपहर को होना था लेकिन इसमें शाम पांच बजे तक की देरी हो गई।

***147 ट्रेनें हुई रद्दः** रेलवे अधिकारी ने बताया कि अंतिम संस्कार में काफी संख्या में मोटरमैन शामिल हुए,जिस कारण वह ट्रेन संचालन के लिए उपलब्ध नहीं थे, जिससे देरी हुई. अधिकारी के मुताबिक, 88 लोकल ट्रेन सेवाओं सहित लगभग 147 ट्रेनें रद्द कर दी गईं. उन्होंने यह भी कहा कि सेवाएं बाधित नहीं हुईं बल्कि देरी हुई. हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं. ठाणे के उपनगरीय मुलुंड की निवासी अरुंधति पी ने बताया कि उन्हें भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन में चढ़ने से पहले सीएसएमटी पर 40 मिनट तक इंतजार करना पड़ा।*

पंख मैराथन दौड़

भोपाल। टी टी नगर स्टेडियम में आयोजित 'पंख मैराथन दौड़' को महापौर मालती राय ने हरी झंडी दिखाई। इस पंख मैराथन दौड़ में शहर के 10 से 12 हजार लोगों ने भाग लिया।

ओबीसी फ्रंट ने बताई योजना

सरकार को दी भूल न करने की सलाह, राहुल से पूछे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले ओबीसी फ्रंट सक्रिय हो गया है। फ्रंट के पदाधिकारियों ने सरकार से ओबीसी व किसानों को अनदेखा न करने की सलाह दी तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी से 5 सवाल पूछकर जवाब नहीं मिलने पर मप्र में उनकी न्याय यात्रा का विरोध करने की चेतावनी दी। ओबीसी व किसान नेता अमोल रावत, कमल सिंह कुशवाहा, नाजिम खान, अमित लोधी के साथ दामोदर यादव ने पिछड़ा अधिकार न्यात्रा निकाली है, जो अब तक यात्रा ग्वालियर - चम्बल सम्भाग की 14 विधानसभाओं में भ्रमण कर चुकी है। दूसरा चरण 27 फरवरी से शुरू होगा।

जिसमें दतिया से चलकर 29 को भोपाल के सेकेण्ड बस स्टॉप जयंती मैदान पहुंचेगी, जहां विशाल सभा होगी।

यात्रा निकालने की वजह : दामोदर यादव के मुताबिक यात्रा मप्र में जातिगत जनगणना कराने, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने, पिछड़ो को राजनीतिक आरक्षण देते हुए लोकसभा एवं विधान सभाओ में सीटे आरक्षित करने, प्रमोशन में रिजर्वेशन लागू कराने एवं किसानों की कर्जमाफी जैसी मांगो को लेकर निकाल रहे है।

कांग्रेस से पूछे ये सवाल

कांग्रेस की सरकार में केंद्रीय सरकार में ओबीसी के कितने सचिव थे, 2014 तक आपकी पार्टी की सरकार 50 वर्ष रही फिर भी पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय क्यों नही बनाया, कांशीराम व मुलायम सिंह के राजनीतिक उदय से पूर्व कांग्रेस ने कितने प्रतिशत केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री पिछड़े वर्ग के बनाए थे, पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में आपकी पार्टी ने कितने प्रतिशत टिकट ओबीसी को दिए।

8 महीने से आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मी मानदेय के लिए तरस रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अफसरों के पास सुनवाई की फुर्सत नहीं

प्रदेश के आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मी पिछले 8 महीने से मानदेय के लिए तरस रहे हैं। इन्हें अब तक मानदेय नहीं दिया है। अफसर सुनवाई भी नहीं कर रहे हैं और न ही मानदेय रोके जाने की वजह बता रहे हैं।

ये आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों, संजीवनी क्लीनिकों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, एसएनसीयू यूनिटों में सेवाएं दे रहे हैं।

सब पता है, पर सुनते नहीं

मप्र एनएचएम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कोमल सिंह ने आरोप लगाए कि पहले इन कर्मचारियों को संविदा से आउटसोर्स पर किया और अब समय पर मानेदय भी नहीं दिया जा रहा है। इनके साथ आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। संघ के माध्यम से उन्होंने विभाग के अधिकारियों से रोका मानदेय देने की मांग की है। उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों से शिकायत कर चुके हैं लेकिन राहत नहीं मिल रही है। आउटसोर्स कंपनी के प्रमुख फायदा उठा रहे हैं।

पहले संविदा से हटाया

ये पूर्व में संविदा पर सेवाएं दे रहे थे, जिन्हें संविदा से हटाकर आउटसोर्स में डाला जा चुका है। जब से आउटसोर्स में डाला है तभी से मानदेय को लेकर बार-बार संघर्ष कर रहे हैं। मंत्रियों व अधिकारियों से कई स्तर पर मुलाकात कर चुके हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाएं: शिक्षक संगठन कर रहे विरोध

मानदेय दरों को लेकर मचा बवाल, शिक्षकों को मात्र 250, कलेक्टर प्रतिनिधियों को 400 रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में दी जाने वाली मानदेय दरों को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग में बवाल मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि शिक्षकों को मात्र ढाई सौ रुपए और केवल एक घंटे देखरेख करने वाले कलेक्टर प्रतिनिधियों को चार सौ रुपए परीक्षा का मानदेय दिया जा रहा है। जिसका शिक्षक संगठन विरोध कर रहे हैं। इसको लेकर प्रदेश के कई जिलों में बोर्ड के सचिव के नाम ज्ञापन सौंपे। साथ ही कई केंद्राध्यक्षों ने बोर्ड के सचिव को पत्र भी लिखे हैं। व्याख्याता एवं प्राचार्य संवर्ग के प्रांतीय संयोजक शिववीर सिंह भदौरिया का कहना है कि परीक्षा की मानदेय दरों के भुगतान के अलावा कई शिक्षकों की ड्यूटी 100-200 किमी दूर तक लगाई गई है। यात्रा देयक का भी वास्तविक राशि का भुगतान किया जाना चाहिए। भदौरिया ने सचिव माशिमं को भेजे गए ज्ञापन में कहा है कि मंडल द्वारा निर्धारित मानदेय का भुगतान न हो पाने के कारण परीक्षा में कर्मचारियों में असंतोष है। नाराज केंद्राध्यक्षों व शिक्षकों ने खरगौन, रीवा, सागर समेत कई जिलों में परीक्षा के बाद राशि बढ़ाने जाने की मांग को लेकर सचिव माशिमं के नाम ज्ञापन सौंपे।

शिक्षक संगठनों और केंद्राध्यक्षों ने लिखा बोर्ड को पत्र

कई परीक्षा केंद्रों पर अभी तक राशि का भुगतान नहीं

शिक्षक संगठनों का कहना है कि प्रति छात्र के रूप में मिलने वाली कुल राशि से केंद्राध्यक्ष, आर्बजरवर, पर्यवेक्षक, भृत्य समेत परीक्षा संचालन में खर्च होने वाली राशि का भुगतान किया जाता है। छात्र संख्या के अनुसार पांच व दस हजार रुपए का अलग से अनुदान दिया जाता है। लेकिन इस बार माशिमं ने मानदेय दरों में असमानता कर दी है। केंद्राध्यक्षों को ढाई सौ रुपए, जबकि कलेक्टर प्रतिनिधियों को चार सौ व आर्बजरवर को सात सौ रुपए दिए जा रहे हैं। दूसरी तरफ केंद्राध्यक्षों को परीक्षा संचालन के लिए जो राशि मिल रही है, उसमें यह राशि कम पड़ रही है। इससे प्रदेश भर के कई परीक्षा केंद्रों पर अभी तक राशि का भुगतान नहीं हो पाया है।

दरों में लगभग डेढ़ गुना इजाफा

दरअसल, 10वीं-12वीं परीक्षा के लिए माशिमं द्वारा इस बार विद्यार्थियों से 33 फीसदी से अधिक फीस ली गई है। फीस बढ़ाने पर माशिमं ने परीक्षा कार्य में लगे शिक्षक व कर्मचारियों की मानदेय की दरों में लगभग डेढ़ गुना इजाफा किया है। मंडल द्वारा पिछले साल तक परीक्षा के संचालन के लिए प्रति छात्र 75 रुपए की राशि दी जाती थी। इस बार इसे पांच रुपए बढ़ाकर 80 रुपए दिया गया है।

हनुमान महाराज को चोला चढ़ाने से होते हैं सब काम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति ने मां गायत्री मंदिर सैनिक कालोनी संत हिरदाराम नगर में वेद मंत्रों के साथ हनुमानजी को चोला चढ़ाया। समिति के अर्चक पुरोहित राज कुमार गर्ग ने कहा कि गुप्त नवरात्रि का प्रथम दिवस है, जो भी साधक हनुमान महाराज जी को गुप्त नवरात्रि में सिन्दुरीकरण करते हैं उनका मनबांछित फल मिलता है। इस अवसर पर कमलेश देवानी, पं0 राज कुमार गर्ग, जगदीश सांवले, गुरदास रामचंदानी, वासु देवानी, बिहारीलाल शर्राफ व अन्य उपस्थित थे।

आरसीसी भोपाल को 3.0 से हराया

अजीत डेटानी वॉलीबॉल ट्रॉफी पर जवाहर नेहरू कॉलेज का कब्जा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्वशासी महाविद्यालय, संतनगर में आयोजित अजीत डेटानी स्मृति में संभागीय अंतर महाविद्यालयीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जवाहर लाल नेहरू कॉलेज की टीम विजयी रही। आरसीसी को 3.0 से मात दी। विजेता टीम को 11 हजार, ट्राफी और उप विजेता को 5100 की राशि पुरस्कार के रूप में दी गई। रोमांचक मुकाबले में जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ने आरसीसी को तीनों सेट 25.23, 25.23ए एवं 25.21 से जीत कर विजेता बना।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मनोहर ममतानी अध्यक्ष, मानव अधिकार आयोग, अध्यक्षता विधायक रामेश्वर शर्मा ने की, जबकि विशेष अतिथि कृष्ण मोहन सोनी अध्यक्ष, बीडीए, विशिष्ट अतिथि कमल प्रेमचंदानी, अध्यक्ष, भारत विकास परिषद् भोपाल, योगेन्द्र पुरोहित, सचिव, वालीबॉल, एसोसिएशन और विधायक रामेश्वर शर्मा थे। साधु वासवानी एज्युकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष श्री दयालदास डेटानी महासचिव राजेन्द्र मनवानी व अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि जीवन खेल गतिविधियों से टीम में समन्वय की भावना एवं जीवन को सकारात्मक रूप से जीने की कला सिखाता है साथ ही जीवन में नेतृत्व प्रदान करता है।

दुष्कर्म करने वाले आरोपी को हुई 10 साल की जेल, 3 हजार रूपए जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को न्यायालय ने 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर तीन हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) तृप्ती पाण्डेय की अदालत ने सुनाया है। मामले में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक टी.पी. गौतम, सरला कहार एवं रागिनी श्रीवास्तव द्वारा की गई है।

लोक अभियोजक के अनुसार, 08 मई 2020 को पीड़िता के पिता ने पिपलानी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी बिना बताये घर से चली गई है। जिसकी तलाश आसपास और रिश्तेदारों के यहां पता करने पर भी कही नही मिली। पीड़िता के पिता ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने जांच के दौरान पीड़िता को खोज निकाला। पीड़िता ने पुलिस को बयान दिए कि वह आरोपी को एक साल से जानती है और दोनो की फोन पर बात होती थी। जब वह सामान लेने के लिए जा रही थी, तभी आरोपी मिला और उसे अपने साथ ले गया। जिसके बाद दोनो ने शादी कर ली और संबंध बनाए।

आदेश जारी कर कहा अतिथि विद्वानों को ऑनबोर्ड 10 फरवरी तक किया

सार्थक एप से लगेगी अतिथि विद्वानों की हाजिरी, कॉलेजों को भेजे आईडी पासवर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कॉलेजों में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों की हाजिरी अब सार्थक एप से दर्ज की जाएगी। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. अजय अग्रवाल ने शुक्रवार को पत्र जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि अतिथि विद्वानों को ऑनबोर्ड 10 फरवरी तक किया जाना है। इसके लिए संबंधित महाविद्यालयों को उनके मेल में आईडी पासवर्ड बनाकर भेजे जा रहे हैं। रिक्त पदों के विरुद्ध सेवा देने वाले अतिथि विद्वानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अनुसार पहले चरण में भोपाल जिले के अतिथि विद्वानों को 14 फरवरी दोपहर 12 बजे का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद क्रमशः पूरे प्रदेश के अतिथि विद्वानों पर ये लागू किया जाएगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा आज

भोपाल। रातीबड़ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं -11वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा - 2024, शनिवार को आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा भोपाल जिले के दो केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसमें जवाहर नवोदय विद्यालय रातीबड़ और शासकीय उमा विद्यालय रातीबड़ शामिल है। प्रवेश-पत्र प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो दूरभाष 0755-2896325 एवं मोबाइल नंबर 95843-59571 पर सपंर्क किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर संतनगर में पटरी के पास कब्जाधारियों को बेदखली नोटिस

10 दिन में हटने की दी चेतावनी, 300 परिवार रहते हैं फाटक रोड के पास

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में फाटक रोड के पास बसी झुग्गियां और पटरी के पास सालों से रहने वालों को रेलवे ने नोटिस जारी किए हैं। 10 दिन में कब्जे न हटाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सहायक मंडल अभियंता भोपाल ने संतनगर स्टेशन किलोमीटर 227 से 229 अप साइड में बने कच्चे व पक्के निमाण कर रहने वालों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में कहा गया है कि आपने रेलवे की भूमि पर कब्जा कर निर्माण किया गया है। उपरोक्त भूमि से नोटिस जारी होने के 10 दिन के अंदर कब्जा हटाएं। ऐसा न करने पर पीपीई एक्ट 1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी मिल चुके हैं नोटिस

बता दे इससे पहले भी रेलवे की ओर से इस तरह के नोटिस पहले भी मिल चुके हैं, लेकिन वह सालों पुरानी बात है। संतनगर स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत न केवल विकास किया जा रहा है, बल्कि तीसरी रेल लाइन का काम भी चल रहा है। रेलवे के नोटिस के खिलाफ लोग विधायक से मिलने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है यदि यहां हटाया जाता है, तो रेलवे को हमारी व्यवस्था करना चाहिए।

300 परिवार रहते हैं

यहां 300 परिवार रहते हैं, नोटिस 1000 से अधिक लोगों के सामने घर का संकट पैदा हो गया है। लोगों ने यहां पक्के मकान भी बना लिए हैं। नोटिस मिलने से रहवासियों में हड़कंप मच गया है। उनका कहना है कि सालों से वह यहां निवास कर रहे हैं। हम लोगों की व्यवस्था कर हटाया जाना चाहिए। बलपूर्वक हटाए जाने पर सड़कों पर उतरेंगे। लोगों का दावा है कि पुनर्वास विभाग ने बसाया था।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश को ₹ 7550 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा

शिलान्यास

- रतलाम एवं मेघनगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास
- सीएम राइज़ विद्यालय रजला, झाबुआ
- 3 लीगेसी अपशिष्ट डम्प साइट प्रोजेक्ट
- 14 शहरी जलप्रदाय योजनाएं
- तलावड़ा बांध परियोजना
- 7 विद्युत उप-केंद्र

लोकार्पण

- इंदौर-देवास-उज्जैन रेलवे लाइन दोहरीकरण
- इटारसी नॉर्थ-साउथ ग्रेड सेपरेटर एवं यार्ड रीमॉडलिंग
- बरखेड़ा-बुदनी-इटारसी तीसरी रेलवे लाइन
- हरदा-बैतूल 4 लेन सड़क
- उज्जैन-देवास सेक्शन सड़क
- इंदौर-गुजरात-मध्यप्रदेश बॉर्डर सेक्शन 16 किमी 4 लेन सड़क
- चिचोली-बैतूल 4 लेन सड़क
- उज्जैन-झालावाड़ सेक्शन सड़क
- 50 ग्राम पंचायतों में नल-जल योजना
- 6 विद्युत उप-केंद्र
- नर्मदापुरम जल प्रदाय योजना

एवं

- 1.75 लाख हितग्राहियों को भू-अधिकार पत्रों का वितरण
- 1.98 लाख हितग्राहियों को आहार अनुदान राशि का अंतरण
- पीएम आदि आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत ₹ 56 करोड़ का अंतरण
- टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय स्थापना की घोषणा

11 फरवरी, 2024 - दोपहर 12:00 बजे - गोपालपुरा हवाई पट्टी, झाबुआ, मध्यप्रदेश

परियोजनाओं से होने वाले लाभ

- रतलाम, मेघनगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं
- सीएम राइज़ विद्यालय से गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वस्तरीय शिक्षा को बढ़ावा
- लीगेसी डम्प साइट प्रोजेक्ट से अपशिष्ट का प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण
- पेयजल व सिंचाई परियोजनाओं से शुद्ध पेयजल व कृषि उत्पादन में वृद्धि
- 13 विद्युत उप-केंद्रों के माध्यम से बिजली की निर्बाध उपलब्धता होगी सुनिश्चित
- अतिरिक्त रेलवे लाइनों से आवागमन की बेहतर सुविधा एवं व्यापार को प्रोत्साहन
- विभिन्न सड़कों के विकास एवं विस्तार से सुगम यातायात एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा

D-11200/23

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

अर्बन ग्रीन स्पेस

जहां प्रकृति के बीच से गुजरता है खुद को जानने का रास्ता

■ रीना राज रस्तोगी

शहर के बीच हरित स्थान प्रकृति की खुली पाठशाला है। अगर इन स्थानों में समय गुजार कर हम प्रकृति की स्वचालित पद्दति को देखें कि किस तरह प्रकृति में कुछ भी व्यर्थ नहीं हैं। पेड़ के पत्ते नीचे गिरकर खाद बन जाते हैं। चिड़िया और भवरें एक जगह से दूसरी जगह बीज गिराकर एक नए फूल को जन्म देते हैं। बारिश की बूंदे जमीन को हरा-भरा बनाकर फिर वापस ओस बन जाती हैं। ऐसा लगता है यह कौन वास्तुकार है जो बिना रुके, बिना किसी प्रयास के सहजता से चलता रहता है।प्रकृति को और नजदीक से जानने के लिए मैं शहर में स्थित एक ' नेचर वॉक' ग्रुप के साथ जुड़ गई। 'नेचर वॉक' ग्रुप हर शहर में प्रकृति प्रेमी लोगों के समूह होते हैं जो कि शहर के भीतर और शहर से बाहर हरित स्थानों (ग्रीन स्पसे से) का भ्रमण् करते हैं, उनका अवलोकन करते हैं और साथ में मिलकर प्रकृति और प्राकृतिक स्थानों को बचाने का सतत् प्रयास करते हैं।

नेचर वॉक' ग्रुप के साथ शहर में कंक्रीट जंगल के बीचों-बीच एक ऐसे ग्रीन स्पसे से परिचय हुआ, जिसकी कशिश ही अलग थी, उसकी सौंधी-सौंधी महक हर किसी को आकर्षित कर रही थी। उस स्थान का नाम था 'सावित्री अर्बन जूड फॉरेस्ट'। यहां पर न केवल पड़े-पौधे और घूमने की जगह थी, बल्कि हर फल के एक या दो वृक्ष लगे हुए थे। तने पर लटके हुए केले, अंगुर की बेल से बातें कर रहे थे। रात की रानी, मोगरा, रजनीगंधा, तलु सी, और लमेन ग्रास की महक, चिड़ियों, तितलियों और भवरों को आमंत्रण दे रही थी। इस अर्बन जूड फॉरेस्ट में 90-100 तक अलग-अलग तरह के फल-फूल ,घास, वृक्ष सब्जियां और बेल लगी हुई थी। वहां पर एक छोटी सी 'आयर्वेदिक डिस्पसेंरी' भी थी जिसमें तलुसी, अजूसी, शतावरी, ब्राह्मी, इन्सलिुलिन जैसै अन्य आयर्वेदिक प्लांट लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रहे थे।पेड़ों के नीचे पालक, मेथी और सरसो की छोटी-छोटी क्यारियां बनी हुई थीं और साथ में टमाटर और भिंडी की फ़सलें झूमकर अपने होने का एहसास करा रहीं थी। पक्षियों के लिए पानी का छोटा सा पौंड था। उसमें तैरती हुई छोटी-छोटी मछलियां तलाब केऊपर लगे हुए शहततू के पेड़ के साथ अठखलियां कर रही थी। ये खाद्य वन आंखों के लिए एक ट्रस्ट, जीभ के लिए क्षुधा-शांति, और मन के लिए एक अच्छा सुकून था।

हरित स्थान एक 'ऑक्सीजन फैक्ट्री' होते हैं जो शरीर और मन, दोनों में रक्त-संचार करते हैं। शहरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए हरित क्षेत्र फल, फूल और वृक्षों का 'लाइव डेमो होते हैं। मिटटी को छूना और उस पर नंगे पांव चलना, अपने आप में ही एक थेरेपी है। इसके अलावा स्पेशल चिल्ड्रन, 'दिव्यागं ' के लिए भी अर्बनर्ब ग्रीन स्पेस ही एक ऐसा स्थान होते हैं, जहां पर वे सामान्य बच्चों के साथ मिलजुल कर खेल सकते हैं, तथा उनके साथ मित्रता-पूर्ण व्यवहार सीख सकते हैं। इसके अलावा, हरित स्थान में बने 'ससेंरी गार्डन', ऑटिस्म और ADHD के बच्चों की पांचों इंद्रियों को जागृत करके उनके लिए वरदान साबित होते हैं। बुजुर्ग वर्गों के लिए हरित स्थान अथवा 'अर्बन गार्डन' उनकी उम्र के लोगो के लिए मिलने-जुलने का सबसे अच्छा साधन है। यहां पर इकट्ठा होकर, अपनी उम्र के लोगों के साथ मिल-जुलकर योग और प्राणायाम करना, मिलना-मिलाना, हंसना-हंसाना और गार्डन में अपना बर्थडे मनाना, उन्हें जीने की नई राह दिखाता है। अर्बन गार्डन्स के बाहर बैठे हुए सब्जी बचेने वाले एक तरफ छोटे-छोटे किसानों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं तो वहीं दूसरी तरफ शहरी लोगों को ताड़ा फल और सब्जियों का प्राप्त करने का स्त्रोत प्रधान करते हैं। हरित स्थान पर लगे हुए नीम, जामुन, बरगद, पीपल के वृक्ष न केवल हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि हरा रंग खुशहाली का भी प्रतीक होता है, जोकि तनाव को कम करके, मसल्स को रिलैक्स करने में मदद करता है। इससे मांसपेशियों को सुकून मिलता है और तनाव का स्तर भी कम होता है, इसलिए मनोवैज्ञानिक तनाव और एंग्जायटी में गार्डन में चलने का सुझाव देते हैं, जिससे सांस हल्की होती है। हरा रंग शान्ति देता है, इसलिए हॉस्पिटल में हरे रंग के पर्दे लगाए जाते हैं।

एक प्रसिद्ध अनसुंधान के अनुसार, दुनियाभर में ऐसे कुछ 'ब्लूजोन्स' पहचाने गए हैं जहां लोगों की आयु सौ वर्ष से अधिक होती है। 'ब्लूजोन्स' में रहने वाले लोगों की लम्बी उम्र के राज से जब पर्दा हटाया गया, तो पता चला की यह लोग अपना अधिक से अधिक समय, हरित स्थानों में एक साथ मिलकर व्यतीत करते हैं और ये हरित स्थान ही उनके स्वस्थ जीवन और दीर्घायु का राज होते हैं। इस एनवायरनमेंट एजुकेशन-डे पर हम सब ये प्रतिज्ञा करें कि हम सभी शहरों में अधिक से अधिक हरित क्षेत्र बनाने का प्रयास करेंगे। प्रकृति की इन धरोहर को सहज कर रखेंगे और आने वाली पीढ़ी को बड़े-बड़े घर और फ्लटै के बदले प्राकृतिक स्थान, प्राकृतिक ज्ञान और प्राकृतिक संस्कार देंगे, जिससे कि वो उद्यानों और हरित स्थानों पर मिलकर पुराने समय जैसे सामदुायिक जीवन जी सकें और इस धरती का 'वसधुवै कुटुम्बकम' का स्वप्न सार्थक कर सकें।

हैपी हार्मोंस

खुशनुमा अहसासों का झरना

■ डॉ. माजिद अलीम

डोपामाइन, सेरोटोनिन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन। आखिर इन सभी शब्दों में क्या एक समानता है? दरअसल ये सभी हार्मोंस के नाम हैं। हार्मोन शरीर में बनने वाले एक तरह के केमिकल होते हैं। ये रक्त के जरिये शरीर के विभिन्न अंगों और ऊतकों तक पहुंचते हैं। हार्मोन हमारे शरीर की सभी तरह की गतिविधियों को तो प्रभावित करते ही हैं, ये हमारी मानसिक और भावनात्मक अवस्थाओं को भी पैदा करते हैं या उनकी प्रकृति के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऊपर हमने जिन चार हार्मोंस का जिक्र किया है, इन सबको हैपी हार्मोंस कहते हैं। क्योंकि इनके नियमित और संतुलित स्राव से हम खुश रहते हैं, हमारा मूड अच्छा रहता है। मसलन- एंडोर्फिन जब पर्याप्त रूप से और नियमित स्रावित होता है तो हमारा दिमाग शांत और स्वस्थ रहता है। ये हमें कई तरह के दर्द से राहत दिलाता है, जबकि सेरोटोनिन हमारे मूड को स्थिर रखता है और डोपामाइन हमारे मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का एक अहम हिस्सा है। अगर शरीर में जरूरत से कम या बिल्कुल डोपामाइन न स्रावित हो तो हम चिड़चिड़ हो जाएंगे, किसी काम में हमारा मन नहीं लगेगा और कोई भी गतिविधि हमें आनंद नहीं देगी। वास्तव में इसी की मौजूदगी में हम अपना काम करने के बाद खुशी का अहसास करते हैं।

खुशी का स्रोत व्यायाम; सवाल है शरीर को खुशियां देने वाले ये हार्मोंस पर्याप्त रूप से और नियमित स्रावित हों, इसके लिए हमें क्या करना चाहिए? वास्तव में हम अपनी गतिविधियों से, अपने लिए पर्याप्त हैपी हार्मोंस स्रावित कराने में मदद मिलती है। यही नहीं, इससे इनकी नियमितता भी बनी रहती है। इसलिए हमारी ऐसी गतिविधियां होनी चाहिए, जो हमारे लिए नियमित रूप से और पर्याप्त मात्रा में हैपी हार्मोंस स्रावित होने में मददगार हों। इसके लिए हमारी कुछ गतिविधियां खास तौरपर मददगार होती हैं। मसलन जब हम नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं तो हमारा शरीर ही नहीं, हमारा दिमाग भी स्वस्थ रहता है और शरीर नियमित रूप से हैपी हार्मोंस रिलीज करने के लिए तत्पर रहता है। इसलिए हैपी हार्मोंस को बनाने में या उन्हें शरीर से स्रावित कराने में व्यायाम की शानदार भूमिका होती है। अतः हमें नियमित रूप से एक्सरसाइज करना चाहिए।

कुछ खान-पान और मनोरंजन की गतिविधियां भी हमारे लिए हार्मोंस पैदा करने में और उनकी पैदावार को नियमित बनाये रखने में मददगार होती हैं। मसलन अगर हम अकसर चॉकलेट खाते हैं, दोस्तों के साथ खूब मुस्कुराते हैं, हंसी-मजाक करते हैं, तनाव फ्री रहते हैं, तो शरीर के लिए पर्याप्त रूप में हैपी हार्मोंस पैदा होते हैं। चॉकलेट खाने में हम अच्छा महसूस करते हैं और शरीर विज्ञान इस बात की तसदीक करता है कि चॉकलेट खाने से जब हम खुशी महसूस करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क से हैपी हार्मोंस रिलीज होते हैं। इसी तरह जब हम अपना पसंदीदा म्यूजिक सुनते हैं, तो हम खुशी से भर जाते हैं। हमारे अंदर खुशियों वाली भावनाएं उम?ने लगती हैं। इसका नतीजा न केवल हैपी हार्मोंस के रिलीज होने में मददगार होता है बल्कि इससे रिलीज होने वाले हैपी हार्मोंस की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है, जो हमारे इर्दगिर्द तनाव को फटकने भी नहीं देती।

पसंदीदा जगह घूमना; हरे भरे, सजे और खूबसूरत पार्क में घूमना भी हमें खुश करता है और यह खुशी हमारे अंदर से हैपी हार्मोंस रिलीज करवाती है। अगर हम प्रकृति प्रेमी हैं और महीने में कई बार ऐसे जंगलों में घूमते हैं, जिन्हें देखकर हमें खुशी होती है, तो यह गतिविधि भी हमें हैपी हार्मोंस के लिए अनुकूल बनाती है। जब हम अपनी मनपसंद कहानियां पड़ते हैं, फिल्में देखते हैं और दोस्तों के साथ अपने को सबसे ज्यादा पसंद गतिविधि में व्यस्त रहते हैं, तो ये क्षण हमें खुश रखते हैं। ये खुशी हमारे अंदर से हैपी हार्मोंस रिलीज करती है, जो शरीर के लिए कई तरह से जरूरी और काम के हैं।

फायदेमंद है मेडिटेशन, सही पॉश्चर भी

नियमित रूप से मेडिटेशन करना और दिन के ज्यादातर समय सही पॉश्चर में बैठना भी हैपी हार्मोंस रिलीज करने में सहायक होता है। मेडिटेशन के अनगिनत लाभ हैं ये हम जानते हैं, लेकिन इन लाभों में हैपी हार्मोंस का रिलीज होना भी शामिल है शायद इसे न जानते हों। दरअसल जब हम नियमित रूप से मेडिटेशन करते हैं, तो तनाव मुक्त रहते हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में हमारे शरीर से जो हार्मोंस रिलीज होते हैं, वो हमें खुश रखते हैं। साथ ही जब हम दिन के ज्यादातर समय कमर सीधी करके बैठते हैं यानी सही पॉश्चर में रहते हैं, तो हम इससे हम एक पॉजीटिव एनर्जी महसूस करते हैं और यह एनर्जी लेवल हमें हमारे शरीर से हैपी हार्मोंस रिलीज करने में मददगार साबित होता है।

पेड़ों का बार कोड !

फ्लैशबैक

जब प्रो. मनवाणी ने दी आडवाणी को सिंधु नदी प्रवाहक्षेत्र की जानकारी

भाजपा के वरिष्ठ नेता और लेखक लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के ऐलान से देश के समूचे सिंधी समाज में हर्ष की लहर है। आडवाणी ने सिंधी समाज में राष्ट्र बोध,देश प्रेम जागते हुए उन्हें सांस्कृतिक एकता के लिए भी प्रेरित किया है। सिंधी बंधु भावनात्मक रूप से तो सिंधु नदी से जुड़े ही थे लेकिन भारत के लद्दाख और जम्मू कश्मीर प्रांत से पुण्य सलिला सिंधु नदी के प्रवाह की जानकारी मिलने के बाद सिंधु दर्शन यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह महती कार्य आडवाणीजी ने ही प्रारंभ कराया जो अनवरत जारी है। यह आडवाणी का सिंधी समाज और राष्ट्र को अहम योगदान है। इसके अलावा रामजी की अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए किए गए संघर्ष और प्राप्त सफलता से उन्होंने वैश्विक स्तर पर हिंदू अनुयायियों का हृदय जीत लिया है।

उल्लेखनीय है कि सिंध में मुन जोदडो की सिंधु सभ्यता और हिस्टोरिकल ज्योग्राफी ऑफ़ इंडिया के अध्येता मुंगेली (छत्तीसगढ़) से शिक्षित और बाद में सागर विवि में प्रोफेसर हुए प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता प्रो एसएन मनवाणी ने आडवाणी को सिंधु नदी के प्रवाह क्षेत्र और सांस्कृतिक विशेषताओं का विवरण वर्ष 1985 में पहले पहल दस्तावेजों के साथ आडवाणी दिया था। लद्दाख क्षेत्र में सिंधु को सिंधु नहीं बल्कि इंडस के नाम से सेना के जवान पुकारते रहे हैं। भारतवासियों के संज्ञान में यह तथ्य आने के पश्चात भारत सरकार द्वारा पर्यटन विकास और सांस्कृतिक एकता की दृष्टि से सिंधु दर्शन के वार्षिक आयोजन को हरी झंडी मिली इसमें विदेश से भी श्रद्धालु और पर्यटक बड़ी संख्या में जून माह में लेह पहुंचते हैं। आडवाणी के प्रयासों से आज लद्दाख एक तीर्थ स्थल, पर्यटन स्थल और पृथक प्रांत भी बन सका है।

-अशोक मनवानी

अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई तेज, 4 डंपर और 2 ट्रैक्टर ट्राली जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध उत्खनन ,परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। खनिज, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 8 फरवरी को जाँच के दौरान तहसील माखननगर में 02 ट्रेक्टर ट्राली को रेत खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना माखननगर की अभिरक्षा में दिया गया है। इसी प्रकार शुक्रवार को परिवहन, खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए नर्मदापुरम में 02 डम्पर क्रमांक-RJ17GA9783 एवं AP64AT2507 को रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते पाये जाने पर जप्त किया गया एवं इटारसी में डम्पर क्रमांक-MP04HE2616 को मिट्टी/मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए एवं डम्पर क्रमांक-TN63BD4545 को गिट्टी खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त कर आरटीओ कार्यालय में अभिरक्षा में रखा गया है।

उक्त कार्यवाहियों में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान, उप पुलिस अधीक्षक यातायात नर्मदापुरम संतोष मिश्रा, खनि अधिकारी दिवेश मरकाम, प्रभारी खनि निरीक्षक नर्मदापुरम श्री कृष्णकांत सिंह परस्ते, निरीक्षक यातायात नर्मदापुरम उषा मरावी एवं सिपाही खनिज शाखा नर्मदापुरम हेमन्त राज तथा होमगार्ड एवं पुलिस बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

नपा ने आईटीआई में निवासरत परिवारों के चाय नाश्ते व भोजन की व्यवस्था

कलेक्टर ने दुर्घटना स्थल का किया दौरा, राहत शिविर की व्यवस्थाएं देखी

हरदा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर आदित्य सिंह ने पुलिस अधीक्षक अभिवन चौकसे के साथ शनिवार को ग्राम बैरागढ़ का दौरा कर वहां की जा रही कार्यवाही का निरीक्षण किया। उन्होने आईटीआई में बनाये गये राहत शिविर पहुँच कर वहां पीड़ित परिवारों के लिये की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर सिंह ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटिदार को निर्देश दिये कि दुर्घटना के प्रभावित परिवारों के रहने खाने के लिये अच्छी व्यवस्था की जाए और उन्हें जो भी मदद चाहिए, हर संभव मदद की जाए। इस दौरान एसडीएम के.सी. परते तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री सुभाष पाटिल सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

दस्तावेज फिर से दिलाये गये

आईटीआई में निवासरत परिवारों में से 5 के बैंक खाते संबंधी दस्तावेज दुर्घटना के दौरान जल गये थे, उनकी नई पासबुक बनाने के लिये लीड बैंक प्रबन्धक के माध्यम से कार्यवाही शुरू कर दी है। इसी तरह जिन परिवारों की समग्र आईडी संबंधी दस्तावेज अग्नि दुर्घटना में जल गये थे, उन्हें समग्र आईडी का प्रिंट उपलब्ध कराया गया। साथ ही विधवा पेंशन संबंधी दस्तावेज जिन परिवारों के दुर्घटना के दौरान गुम हो गये थे, उन्हें नये दस्तावेज दिलाने की व्यवस्था नगर पालिका के माध्यम से की गई। नगर पालिका द्वारा आईटीआई में निवासरत परिवारों के चाय नाश्ते व भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

घायल पशुओं का इलाज

उपसंचालक पशु चिकित्सा द्वारा दुर्घटना से प्रभावित पशुओं के उपचार की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने आईटीआई राहत शिविर पहुँच कर वहां निवासरत पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी परेशानियां पूछी और उनकी समस्याओं के निराकरण की कार्यवाही की। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा दुर्घटना में घायल गाय, भैंस व बकरी का उपचार किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग के विभाग के कर्मचारी घटना से प्रभावित परिवारों के घर-घर जाकर जानकारी प्राप्त कर रहे है और इन परिवारों को विभागीय योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जा रहा है।

रायसेन में महामाया चौक में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर सम्पन्न

रायसेन। रायसेन स्थित महामाया चौक में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती मीना कुशवाह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गोविंद अग्रवाल, राकेश शर्मा, सीएमओ सुरेखा जाटव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए।

शिविर में मतदाता जागरूकता का दिया संदेश: रायसेन में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में जनशिक्षक श्री सूर्यप्रकाश सक्सेना तथा स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा नागरिकों को मतदाता जागरूकता का संदेश देते हुए आगामी लोकसभा निर्वाचन में मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

शासकीय अस्पतालों में टी बी रोग का उपचार निशुल्क

सीहोर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि टीबी संक्रमण बीमारी है। खांसी, बुखार आना, भूख न लगना आदि टीबी के लक्षण हो सकते है। टीबी कोई भयानक बीमारी नहीं है, टीबी का ईलाज संभव है। व्यक्ति को 6 माह डॉट पद्धति का ईलाज लेना अनिवार्य है। प्रत्येक क्षय रोगी को ईलाज लेने पर 500 रूपये पोषण के लिये प्रदान किये जाते है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी से बचने के लिये सभी स्वास्थ्य सेवायें जिला अस्पताल, सिविल हॉस्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र संस्थाओं पर संपर्क कर टीबी की जांच व उपचार से बीमारी पर रोक लगाई जा सकती है।

छात्राओं ने वार्षिक उत्सव एवं फेयरवेल का किया आयोजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

शासकीय कन्या महाविद्यालय मे शनिवार के दिन वार्षिक उत्सव एवं फ्रेशर व फेयरवेल का आयोजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।जिसमे मुख्य अतिथि रीतेश जैन नगरपालिका अध्यक्ष तथा विशेष अतिथि पूर्व मंडी अध्यक्ष महेश गोयल, वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व जिला महामंत्री रघुवीर सिंह राजपूत एवं जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी दीपक पालीवाल द्वारा माँ सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार धुर्वे ने महाविद्यालय की छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्राओं ने गीत, नृत्य, समूह नृत्य, नाटक की रंगारंग प्रस्तुति दी । छात्राओं ने मॉडलिंग केटवॉक किया, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ आदि खेल भी आयोजित किये गये। मुख्य अतिथि रीतेश जैन द्वारा छात्राओं को महाविद्यालय के भूमि आवंटन से संबंधित जानकारी एवं शुभकामनाएँ दी गई। महेश गोयल ने महाविद्यालय के विकास के लिए मदद किये जाने का आश्वासन दिया। रघुवीर सिंह तथा दीपक पालीवाल ने महाविद्यालय की छात्राओं को भविष्य के लिए सुभकमनाएं दीं तथा छात्राओं को भविष्य में तरक्की करने के लिए और अपनी शिक्षा को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। शा. गृहविज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने भी छात्राओं को शुभकामनाऐं प्रेषित की ।

महाविद्यालय प्राध्यापको की वोटिंग द्वारा मिस फ्रेसर तनुदीप पालीवाल बी ए प्रथम वर्ष, मिस फेयरवेल मेकलसुता यादव बीए तृतीय वर्ष तथा स्टूडेंट ऑफ द ईयर नेहा जाट बीएससी द्वितीय वर्ष को चुना गया एवं सम्मानित किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य उमेश धुर्वे, बीआरसीसी संतोष कुमार शर्मा,सुनील गौर, राजेंद्र पचौरी विनय शर्मा ने कार्यक्रम में सुन्दर प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। मुख्य प्रस्तुति करने वाली छात्रा को विशेष पुरस्कार दिया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन पर छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम का मंच संचालन कु. यशस्वी ठाकुर ने किया तथा डॉ.बाऊ पटेल द्वारा मुख्य अतिथियों पत्रकार बंधुओं तथा कार्यक्रम में सम्मिलित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

सीहोर, दोपहर मेट्रो

बिना किसी शासकीय अनुमति के विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी तथा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह के निर्देश पर आज दूसरे दिन की गई कार्रवाई में अल्लाहदा खेड़ी में विकसित की जा रही है। अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाकर कॉलोनाइजर द्वारा किए जा रहे निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इसके साथ ही श्यामपुर के चाँदबड़ में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर दिया गया है।

सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने बताया कि आल्हादाखेड़ी में कमल मालवीय द्वारा लगभग ढाई हेक्टर भूमि पर अवैध तरीके से बनाई जा रही कॉलोनी में बुलडोजर चलाकर बाउंड्री वॉल सहित अन्य निर्माण ध्वस्त कर दिया गया। अल्हदाखेडी स्थित गोविंद प्रसाद पिता लक्ष्मीनारायण एवं देवी प्रसाद पिता रामकरण विश्वकर्मा की सर्वे नंबर 7/1/2 रकबा 2.023 हेक्टेयर भूमि पर टीलाखेड़ी भोपाल निवासी कमल मालवीय द्वारा अनुबंध के आधार पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी में प्लाटिंग की जा रही थी। इस अवैध कॉलोनी में कॉलोनाइजर द्वारा किए जा रहे स्ट्रक्चर को ध्वस्त कर दिया गया है। इसके अलावा श्यामपुर के चांदबड़ में भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया है। एसडीएम श्री तन्मय वर्मा ने बताया कि शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त करने तथा अवैध कॉलोनी के विरुद्ध करवाई निरंतर जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर अनुपयोगी एवं खुले नलकूप, बोरवेल, ट्यूबवेल में दुर्घटनाओं के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

खनन के दौरान कार्य स्थल की सुरक्षा व बेरिकेटिंग के निर्देश

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिले में अनुपयोगी एवं खुले नलकूप, बोरवेल, ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किये गये है। कलेक्टर प्रवीण सिंह द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय एवं गाइडलाईन के संबध में सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ नगर पालिका, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण एवं उप संचालक कृषि को जिले में अनुपयोगी एवं खुले नलकूप, बोरवेल, ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निर्देशित किया है।

कलेक्टर ने निर्देश दिये है कि विभिन्न विभागो, संस्थाओं, निजी व्यक्तियों, अशासकीय उपयोग के लिए नलकूपों खनन करने वाली एंजेंशी को पंजीयन कराया जाना आवश्यक होगा और इस संबंध में विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा। नलकूप खनन उपरांत संबधित व्यक्ति, संस्था, विभाग द्वारा नलकूप के ऊपर हेंडपंप, सबमार्सिबल पंप स्थापित करना अनिवार्य होगा। यदि नलकूप में जल आवक क्षमता प्राप्त नहीं होती है या जल आवक क्षमता कम प्राप्त होती है तो नलकूपों की केसिंग को निकाला नहीं जायेगा बलकी केसिंग के ऊपर स्टील प्लेट का केप लगाकर नट बोल्ट से फिक्स किया जायेगा यदि किन्ही कारणो से नलकूप होता है तो नलकूप को संबधित एजेंसी, व्यक्ति द्वारा मिट्टी, रेत, मुरूम आदि से जमीन की सतह तक भरने की कार्यवाही की जाये। यदि भवन निर्माण अथवा अन्य कारणों के लिए नलकूप, पाइल का खनन किया जाता है। खनन की अवधि के दौरान कार्य स्थल की सुरक्षा, बेरिकेटिंग स्थल के आस-पास किया जाये ताकि कोई बच्चा पहुंच सके।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला स्तरीय, विकासखण्ड स्तरीय एवं ग्राम पंचायत स्तरीय मॉनिटरिंग समिति गठित की है। जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होगें और सदस्यों में पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, उप संचालक कृषि, परियोजना अधिकारी ड्वा और सदस्य सचिव कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी होगें। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय समिति में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अध्यक्ष होगें और सदस्यों में एसडीओपी, तहसीलदार, सीईओ जनपद, अनुविभागीय अधिकारी कृषि,कृषि विस्तार अधिकारी और सदस्य सचिव सहायक संत्री लोक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को बनाया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत स्तरीय समिति में सरपंच अध्यक्ष बनाये गये है और कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, पंचायत सचिव,ग्राम कोटवार,ग्राम पटेल, कृषक मित्र, ग्राम स्तरीय सुरक्षा समिति के सदस्य को समिति सदस्य बनाया बया है। गठित समिति नलकूप, बोरवेल, ट्यूबवेल की जानकारी संधारित की जायेगी और नलकूप, बोरवेल, ट्यूबवेल, कुए खुले है कि जानकारी पोर्टल पर नियमित अनुभवण करना होगा।

ठंड ने किया बेहाल, फसलों को भी नुकसान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले कुछ दिनों से सर्दी के सितम सभी को परेशान कर दिया है ,घरों से निकलने में लोगों की हालत खराब हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों को हो रही है और जिनको स्वास्थ्य से संबंधित बीमारी है ,उनकी और भी ज्यादा हालत खराब हो रही है। ठंड के कारण शरीर ठंडा हो रहा है ठंडी हवाएं चलने से हाथ पैर भी अकड रहे हैं इस वजह से लोग दिन भर ठंड से बचने के लिए आग जलाकर हाथ सेकते हुए नजर आते हैं ।दूसरी ओर सुबह-शाम तो घरों निकलना ही मुश्किल हो रहा। सर्दी अधिक पढने के कारण बाजार में जल्दी सन्नाटा दिखाई देने लगता है कडाके की सर्दी के कारण फसलों में भी नुकसान होने की बात किसानों के द्वारा कही जा रही है रात्रि में बर्फ गिरने से फसली प्रभावित हो रही है। किसान श्री राम साहू ने बताया कि ठंड अधिक पढने के कारण मसूर की फसल पूरी तरह से चैपट हो गई है। इसी तरह भौरिया के किसान संतोष शर्मा ने बताया कि ठंड अधिक पढने के कारण मसूर की फसल मुरझा गई है और वह अपने आप सूखने लगी है, हालत यहां है कि लागत निकालना मुश्किल नजर आ रहा है। इसके अलावा तेवडा,चना,धनिया आदि में भी नुकसान होने की जानकारी होने की बात किसानों के द्वारा कही जा रही है। सर्दी का सितम अभी कुछ दिन और इसी तरह का रहने का अनुमान भी मौसम विभाग के द्वारा जाहिर किया है।

शासकीय लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज में संपन्न हुआ उद्यमिता शिविर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत एक दिवसीय उद्यमिता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जन भागीदारी समिति के वरिष्ठ सदस्य दिनेश चंद्र गर्ग (आध्यात्मिक) मुंशीलाल कुशवाहा एवं बंटी अहिरवार ने किया। शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ चढ कर हिस्सा लिया और अपने-अपने स्टॉल लगाकर हस्त निर्मित वस्तुएं कपडा बैग, पर्स, कलात्मक कृतियां, ब्यूटीशियन, खाद्य सामग्री आदि का प्रदर्शन किया। बॉल गेम एवं भूत बंगला बनाकर विद्यार्थियों ने एंटरटेनमेंट किया। प्रोफेसर महेश भाबोर ने एनसीसी एवं महेश चंद्र परमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना का स्टॉल लगाकर विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी दी। वहीं क्रीडा विभाग की ओर से डॉक्टर समर्थ निनामा एवं डॉक्टर वसीम उल्लाह खांन ने स्टॉल लगाकर खेल में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों का वजन लिया।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर साधना कुमारी झा ने शिविर का संचालन किया। प्राचार्य डॉक्टर लालचंद्र राजपूत से मिली जानकारी के अनुसार शिविर के प्रति विद्यार्थियों में उत्साह देखा गया। महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने उद्यमिता शिविर की सफलता पर स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनायें प्रेषित की। इस अवसर पर समस्त स्टाफ एवं बहु संख्या में विद्यार्थियों ने शिविर में सहभागिता की।

मुझे प्रधानमंत्री मोदी से कुछ नही चाहिए, 2024 में मोदी ही देश के प्रधानमंत्री के रूप में चाहिए : उमाकांत शर्मा

विधायक शर्मा ने मौजूद हितग्राहियों से लिए समस्याओं के आवेदन समाधान की गारंटी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज देश विरोधी ताकते नही चाहती कि नरेंद्र मोदी फिर से भारत देश के प्रधानमंत्री बने परंतु में कहता हूँ कि मुझे देश के प्रधानमंत्री से कुछ नही चाहिए लेकिन मुझे 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री के पद पर आसीन चाहिए। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान यह बात घोषणा करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत देश को विश्व मे सबसे समृद्ध और पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे है अबकी बार 400 पार के संकल्प के साथ हमें पूरी ताकत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के लिए काम करना है।

शनिवार को शहर में एक बार फिर से विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन पंचकुइयां स्थित गंगेश्वर जमनेश्वर मन्दिर प्राँगण में किया गया। चार वार्डो के मध्य आयोजित इस संकल्पयात्रा आयोजन में अनेक हितग्राहियों ने सहभागिता कर मौके पर लगे संबंधित विभागों के काउंटरों पर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित होने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। मोदी सरकार की इस बहुउद्देश्यीय यात्रा में मुख्य अतिथि के तौर शामिल विधायक उमाकांत शर्मा ने उपस्थित जनता जनार्दन को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के गाँव, गरीब, किसान, मजदूर, माता बहिनों, बेटी बहुओं, आदिवासी, सामान्य, पिछड़ा, अनसूचित जाति,जनजातीय सभी वर्गों समाजो का सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास मंत्र के साथ समतामूलक समाज का निर्माण केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकारों एवं नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुआ है। प्रधानमंत्री आवास,उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से देश के नागरिक परिवारो की तकदीर ओर तस्वीर बदलने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। आने वाले समय में नगरीय क्षेत्र सहित 310 गाँवो में नलजल योजना के माध्यम से घर घर टोंटी वाले नल से पानी की उपलब्धता होगी। संचालन सचिन शर्मा एवं आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, एसडीएम हर्षल चैधरी, एसडीओपी उमेश तिवारी, पार्षद बलजीत यादव, रूपेश यादव, सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

मोदी जी के नौ आग्रह को भी जीवन का हिस्सा अवश्य बनाए

कार्यक्रम के दौरान विधायक शर्मा ने उपस्थित जनसमूह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के कल्याण के लिए दी नौ गारंटीयों का लाभ लेने के साथ किए नौ आग्रहों को भी अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि मोदी जी की नौ गारंटीयॉ जिसमे उनतालीस योजनाओं को समाहित किया गया है। इन नौ गारंटी के साथ उन्होंने देश की जनता से भारत देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नौ आग्रह भी किए है जिनमें गाँव तक के लोग डिजिटल लेनदेन करना शुरू करें,पानी की बूंद बूंद बचाने के साथ अपने गाँव मोहल्ले को स्वच्छ करें। अपने दैनिक जीवन मे हम लोकल उत्पादनों को प्रोत्साहित करें। पहले अपने देश में घूमें यहाँ की सांस्कृतिक विरासत को समझे उसके बाद आवश्यकता लगे तो विदेश जाइए। जैविक खेती को प्रोत्साहित कर योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ तथा कम से कम एक गरीब परिवार का संबल जरूर बनिए दूसरे जरूरत मंद की मदद करे भारत की गरीबी को दूर करने के लिए यह जरूरी है। स्वस्थ जीवन के लिए ज्वार बाजार बाजरा जैसे देशी अन्न को अपने खाने में प्रयोग करें।

प्रशासन अवैध शराब ओर पावडर की बिक्री पर लगाए रोक

संकल्पयात्रा के दौरान विधायक शर्मा ने स्थानीय प्रशासन को अवैध रूप से बिक रही शराब और नशीले पदार्थों को बेचने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर रोकथाम करने के लकिए तीखी चेतावनी भी दी। उन्होने कहा कि ठेकेदारों की मिलीभगत से गाँव गाँव और शहर के मोहल्लों में अवैध शराब बिक रही है,नशीले पावडर बिक रहें है इन पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। नशा बेचने वालों का सामाजिक बहिष्कार हम सबको समाज को मिलकर करना चाहिए। नशा परिवार और समाज का नाश करता है माता बहिनों को तकलीफ होती है घरों में लड़ाइ झगड़े होते है परिवार तक तबाह हो रहें है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से ऐसे मादक पदार्थों का आवेश विक्रय करने वाले दोषियों के विरुद्ध अभियान चलाकर केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की नीति के अनुसार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने शिव मंदिर में मूर्तियों और तोड़फोड़ के आरोपी को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जिले के बमोरी कस्बे में शिव मंदिर में हुई तोडफोड मामले में पुलिस ने बडा खुलासा किया है। पुलिस ने शिवजी के मंदिर में भगवान की मूर्तियों और तोडफोड का असल आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल 31 जनवरी एवं 1 फरवरी की मध्य रात में किन्हीं आसामाजिक व शरारती तत्व द्वारा जिले के बमौरी में नई पानी की टंकी के सामने स्थित शिवजी के मंदिर में भगवान भोलेनाथ एवं नंदी महाराज की मूर्तियों की तोड़फोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त किया गया था।

इस घटना के फरियादी सौराभ किरार निवासी बमौरी की रिपोर्ट पर से संदेही 07 आरोपियों के विरूद्ध बमौरी थाने में धारा 295 भादवि का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। घटनाक्रम को एसपी संजीव कुमार सिंहा द्वारा गंभीरता से लिया और घटना में निष्पक्ष व बारीकी से अनुसंधान करने एवं इस घटना को कारित करने वाले अज्ञात आरोपी की जल्द से जल्द पतारसी कर मामले का शीघ्र पटाक्षेप किये जाने हेतु एएसपी मान सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना के नेतृत्व में पुलिस की एक एसआईटी गठित की गई। जिसमें टीम सदस्य म्याना थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई, बमौरी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरविन्द सिंह गौर, सिरसी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी, आरक्षक विनोद कुशवाह थाना म्याना, आरक्षक अंकित चतुर्वेदी थाना बमौरी, महिला आरक्षक रीनू निगवाल थाना बमौरी, आरक्षक रविन्द्र पाल थाना सिरसी एवं सायबर सेल से आरक्षक कुलदीप भदौरिया को आवश्यक दिशा निर्देश देकर लगाया गया। मंदिर में भगवान की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने वाले अज्ञात आरोपी की पहचान कर शनिवार को आरोपी ग्यारसा पुत्र स्व. भूरा प्रजापति (40) निवासी मरघटशाला के

आरोपी ने गुनाह कबूला

आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसने स्वयं के द्वारा मंदिर में मूर्तियों की तोड़फोड़ करना स्वीकार किया। जिसने बताया कि भगवान से कई बार मांग करने के बाद भी उसकी शादी नहीं हो रही थी और 31 जनवरी की रात को उसने बहुत अधिक शराब पी ली थी। जिससे नशे में उसे गुस्सा आ जाने से रात करीब 02 बजे उसने मंदिर के बाहर पडे पत्थर उठाकर मंदिर में भगवान शिवजी एवं नंदी की मूर्तियों पर पत्थर पटक दिये थे, जिससे मूर्तियां टूट गईं थीं । उल्लेखनीय है कि बमोरी में हुई घटना से यहां एक पखवाडे तक खासा तनाव रहा। घटना की सुबह ही सैकडों की संख्या में ग्रामीण सडकों पर उतर आए। वहीं जिन संदेहियों को आरोपी बनाया गया। जिनकी जमानत के बाद एक बार फिर लोगों को गुस्सा फूट पडा। जिसके बाद विगत सोमवार को फिर यहां बडा प्रदर्शन हुआ। इधर मामले में बेकसूरों को फंसाए जाने के खिलाफ भी दूसरे पक्ष में आक्रोश था। बहरहाल गत दिवस असल आरोपी की गिरफ्तारी के बाद लंबे समय से चले आ रहे सांप्रदायिक तनाव का पटाक्षेप हुआ। जिसमें एसडीओपी विवेक अष्ठाना एवं टीआई अरविंद भदौरिया की सक्रियता और कार्यप्रणाली प्रशंसनीय है।

संतों की तपोभूमि सेमलखड़ी में बसंत पंचमी पर मेला, विधायक ने ली बैठक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

श्री तरण तरण संतों की तपोभूमि सेमल खेड़ी में बसंत पंचमी पर आयोजित होने वाले मेले की व्यवस्थाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने मंदिर परिसर में पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेते हुए व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा करते हुए कहा संतों की तपोभूमि पर देशभर से तारण समाज जन शामिल होते हैं हमें यहां पर ऐसी व्यवस्थाएं करनी होगी किसी को यहां पर आने जाने यहां पर रुकने में कोई परेशानी ना हो समय से पहले सभी व्यवस्थाएं कर ले जिसमें मुख्य रूप से आने जाने वाला रास्ता, पानी बिजली आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान इस दौरान एसडीएम हर्षल चैधरी, एसडीओपी उमेश तिवारी, जनपद सीईओ वंदना शर्मा नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू, श्री तारण तरण स्वामी दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र न्यास मण्डल के सदस्य मौजूद थे।

अखिल भारतीय कोरी-कोली समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन

सिरोंज। अखिल भारतीय कोली समाज रजि जिला ईकाई विदिशा के जिलाध्यक्ष खुमान दास पंथी एंव सिरोंज ब्लॉक ईकाई के अध्यक्ष डॉ सुनील पंथी ने बताया कि अखिल भारतीय कोली समाज के तत्वाधान में 10 मार्च 2024 को अग्रवाल धर्मशाला विदिशा में प्रदेश स्तरीय अविवाहित युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें परिचय सम्मेलन के साथ-साथ सीनियर सिटीजन एंव म.प्र लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग में चयनित अभ्याथिर्यो का सम्मान समारोह में सम्मान किया जाएगा। श्री पंथी ने कहा कि चयनित अभ्यर्थी अपना नाम समिति के समझ प्रस्तुत करें। वही ब्लॉक ईकाई से माधोप्रसाद पंथी, षिवचरण पंथी, भैयालाल महावर, दुर्गा प्रसाद पंथी, रमेष पंथी ने बडी संख्या में समाजजनों को सम्मेलन में शामिल होना का आग्रह किया।

मेट्रो एंकर

कंपनियों से नियोजित उम्मीदवारों की सूची प्राप्त करना

रोजगार मेला का आयोजन 14 को, दायित्व सौंपे गए

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने 14 फरवरी को आयोजित होने वाले रोजगार मेला का आयोजन सुव्यवस्थित रूप से हो इसके लिए जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट को संपूर्ण मेला का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर श्री भार्गव एसएटीआई महाविद्यालय परिसर में प्रातः 10 बजे से शुरू होने वाले उक्त रोजगार मेला हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक दायित्व सौपे है उनमें

स्वसहायता समूह के स्टॉल लगवाना। कंपनियों को आमंत्रित करना एवं आफर लेटर बटवाना। कंपनियों से नियोजित उम्मीदवारों की सूची प्राप्त करना।

स्थानीय उद्योगों के प्रतिनिधियों को रोजगार मेला में आमंत्रित करना । एवं उनके उत्पाद संबंधी स्टाल के प्रदर्शन की व्यवस्था करना। मंच की संपूर्ण व्यवस्था । अतिथियों हेतु बैठक व्यवस्था रोजगार मेले में स्वास्थ्य व्यवस्था।

संबधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना।

कन्या पूजन, दीप प्रज्वलन की संपूर्ण व्यवस्था। संबधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना।संबधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना। संबधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना।

काउंसलिंग कार्य एवं पंजीयन के लिए की संपूर्ण व्यवस्था

टेंटध्माइक की संपुर्ण व्यवस्था। अतिथियों के स्वागत ध् स्वल्पाहार ध् पेयजल की संपूर्ण व्यवस्था ।संपूर्ण जिले में रोजगार मेला का प्रचार प्रसार करना । जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना। एवं मेले संलग्न समस्त अधिकारियों से समन्वय कर जानकारी वरिष्ठ अधिकारियो तक पहुँचाना। मेले में आमंत्रित कंपनियों के प्रतिनिधि, संलग्न कर्मचारियों, एवं उपस्थित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ध् अधिकारियों की भोजन व्यवस्था इत्यादि शामिल हैं।

संबधित जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज करना

अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना। संबधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय कर मेले का प्रचार प्रसार एवं संस्था के पूर्व तथा वर्तमान प्रशिक्षार्थियों को मेले में उपस्थिति सुनिश्चित करना।

अंडर 19 विश्व कप फाइनल आज: तीसरी बार आमने-सामने भारत-ऑस्ट्रेलिया

बेनोनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें करीब 3 महीने बाद एक बार फिर से फाइनल मैच के लिए मैदान पर होंगी. अंडर 19 विश्व कप 2024 का फाइनल मैच भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेला जाएगा. टीम इंडिया के फैंस को इस बार खिताबी जीत की उम्मीद होगी. भारतीय कप्तान उदय सहारन और मुशीर खान इस बार रोहित शर्मा और विराट कोहली के सपने को पूरा करने के करीब हैं. भारतीय टीम विश्व कप 2023 के फाइनल में हार गई थी. लेकिन अब फैंस को अंडर19 विश्व कप के फाइनल में खिताबी जीत की उम्मीद है।

अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं कप्तान

उदय अंडर 19 विश्व कप 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में टॉप पर हैं. उन्होंने 6 मैचों में 389 रन बनाए हैं. इस दौरान एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं. उदय मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करने के लिए आते हैं और अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते हैं. उदय ने आयरलैंड के खिलाफ 75 रनों की शानदार पारी खेली थी. उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 81 रन बनाए थे. अब फाइनल में भी कमाल दिखा सकते हैं।

मुशीर के कंधों पर भी होगी जिम्मेदारी

मुशीर ने सेमीफाइनल में कुछ खास नहीं कर सके थे. वे 4 रन बनाकर आउट हो गए थे. लेकिन वे सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. मुशीर ने 6 मैचों में 338 रन बनाए हैं. वे इस दौरान 2 शतक भी लगा चुके हैं. मुशीर के बड़े भाई सरफराज खान सीनियर टीम इंडिया का हिस्सा हैं. वे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा बने हैं. भारत के सामने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी. टीम इंडिया को उससे कड़ी टक्कर मिलेगी. ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया था. यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा था. उसके लिए हैरी डिक्सन ने काफी अच्छा परफॉर्म किया है. वे टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

एक फिल्म के बाद ही एक्टिंग को कहा अलविदा

'स्वदेश' से रातों-रात फेमस हो हुई गायत्री अब गुमनाम

शाहरुख खान के साथ स्वदेश से गायत्री जोशी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था. हालांकि ये उनकी पहली और आखिरी फिल्म बन गई. इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अलविदा कह दिया था. बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई टैलेंटेड एक्ट्रेसेस को कुछ फिल्मों में काम करने के बाद रातोंरात फेम मिला. हालांकि, इनमें से कई ने अचानक इंडस्ट्री छोड़ दी और गुमनाम हो गईं. अब ये दूसरा प्रोफेशन चुना हैप्पी मैरीड लाइफ एंजॉय कर रही हैं. शाहरुख खान की एक एक्ट्रेस भी इस लिस्ट में शामिल है जिन्हें एक फिल्म से ही इंड़स्ट्री में काफी पॉपुलैरिटी मिल गई थी लेकिन इन्होंने एक्टिंग छोड़ बिजनेसमैन से शादी कर ली. अब ये परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं गायत्री जोशी है. इस शानदार अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में ज्यादा समय नहीं दिया और सिर्फ एक फिल्म के बाद अभिनय को अलविदा कह दिया. उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म स्वदेस से की थी. आशुतोष गोवारिकर द्वारा निर्देशित ये फिल्म 2004 में रिलीज हुई थी और यह आज भी सिनेमा के इतिहास की सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। स्वदेश में अभिनय करने के बाद गायत्री को रातोंरात फेम मिल गया था लेकिन उन्होंने उस फिल्म के तुरंत बाद अभिनय छोड़ने का फैसला करके सभी को चौंका दिया।

गायत्री जोशी करियर

गायत्री जोशी के करियर की बात करें तो वे पूर्व एक्ट्रेस होने के साथ ही वीडियो जॉकी, मॉडल और ब्यूटीपेजेंट टाइटल होल्डर रही हैं. साल 2000 में ब्यूटी टाइटल जीतने और 2000 में इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रेजेंट करने के बाद, गायत्री ने 2004 की फिल्म स्वदेस से एक्टिंग में डेब्यू किया था. हालांकि ये उनके करियर की पहली और आखिरी फिल्म है. फिलहाल गायत्री हैप्पी मैरीड लाइफ एंजॉय कर रही हैं

डोमेस्टिक क्रिकेट में कर चुके हैं अच्छा परफॉर्म

टीम इंडिया में तेज गेंदबाज आकाश दीप ने मारी एंट्री

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने आकाश दीप को इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में जगह दी है. आकाश दीप बॉलिंग ऑलराउंडर हैं और डोमेस्टिक क्रिकेट में अच्छा परफॉर्म कर चुके हैं. बंगाल के खिलाड़ी आकाश के लिए टीम इंडिया तक का सफर आसान नहीं रहा है. उनका जीवन उतार-चढ़ाव भरा रहा है. इस दौरान उन्होंने अपने क्रिकेट के जुनून को बरकरार रखा. आकाश अब टीम इंडिया में शामिल हो चुके हैं. उनके यहां तक पहुंचने में एक दोस्त की काफी अहम भूमिका रही है. उन्हें भारत की मुख्य टीम में शामिल होने से पहले इंडिया ए के लिए भी खेलने का मौका मिला।

2016 में क्लब मैच में झटके थे 42 विकेट

रिपोर्ट के मुताबिक आकाश ने सौरव गांगुली की क्रिकेट एकेडमी में ट्रेनिंग ली. इसके बाद वे 2016 में यूनाइटेड क्लब के लिए सिलेक्ट हुए. उन्होंने पहले साल में ही 42 विकेट ले लिए. आकाश अपने दमदार प्रदर्शन की वजह से काफी चर्चा में आ गए थे. इसके बाद 2018-19 में उनका सिलेक्शन मुस्ताक अली ट्रॉफी के लिए हो गया. वे बंगाल की रणजी टीम में जगह बनाने में भी सफल रहे।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दिखाया था दम

आकाश को हाल ही में इंडिया ए के लिए खेलने का मौका मिला. उन्होंने अहमदाबाद में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अच्छी बॉलिंग की. आकाश ने एक मुकाबले में 28 रन देकर 2 विकेट लिए थे. इसके बाद एक मैच में 6 विकेट और अगले मुकाबले में 5 विकेट लिए थे. आकाश 29 फर्स्ट क्लास मैचों में 103 विकेट ले चुके हैं. इसके साथ ही 418 रन भी बनाए हैं. वे लिस्ट ए के 28 मैचों में 42 विकेट ले चुके हैं।

ब्रेट ली के फैन हैं आकाश दीप

आकाश की बॉलिंग काफी अच्छी है. उनके आदर्श क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर हैं, लेकिन वे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ब्रेट ली से भी इंस्पायर्ड हैं. आकाश इन स्विंग और आउट स्विंग दोनों ही तरह की गेंदबाजी करने में माहिर हैं. इसके साथ ही वे बैटिंग में भी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं. वे मिडिल ऑर्डर में दम दिखा चुके हैं।

दोस्त की जिद ने बदली आकाश की जिंदगी

आकाश घरेलू मैचों में बंगाल के लिए खेलते हैं. उनका जीवन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है. आकाश को बचपन से ही क्रिकेट का नशा है और इसे उन्होंने हमेशा बरकरार रखा. लेकिन इस बीच एक वक्त ऐसा आया जब वे पूरी तरह से टूट गए. 2013 में आकाश के पिता का निधन हो गया था. इस बीच वे कोलकाता में चल रही ट्रेनिंग को छोड़कर बिहार आ गए. इसके 6 महीने बाद उनके भाई का भी निधन हो गया. घर में शोक का माहौल था. इस वजह से उनकी मां वापस नहीं भेज रही थी. लेकिन दोस्त वैभव के प्रयास से उनकी मां राजी हो गईं. इस तरह वे वापस आए।

एक्ट्रेस ने पूछा, आज कौन सा दिन मना रहे हैं निब्बा-निब्बी

श्रद्धा कपूर की पोस्ट देखकर फैंस को आ रहा है बड़ा मजा

वैलेंटाइन वीक चल रहा है और श्रद्धा कपूर ने प्यार करने वाले कपल्स पर जबरदस्त ताना कासा है। श्रद्धा कपूर अपने मीम शेयर करने वाले बिहेवियर के लिए जानी जाती हैं और उनके फैंस भी उनके पोस्ट देखकर खूब मजे लेते हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर से कुछ ऐसा ही शेयर किया है। श्रद्धा कपूर की नई पोस्ट देखकर उनके फैंस को बड़ा मजा आ रहा है। इससे शायद कुछ वैलेंटाइन मनाने वाले कपल्स दुखी भी हो सकते हैं वह फिलहाल अपनी कॉमेडी हॉरर सीक्वल स्त्री 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जहां वह राजकुमार राव के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। श्रद्धा कपूर न केवल अपनी एक्टिंग और सुंदरता से, बल्कि अपने ट्रेंडी मीम्स से भी अपने फैंस का दिल बहलाती रहती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर उन कपल्स का मजाकिया अंदाज में मजाक उड़ाया, जो वैलेंटाइन वीक मनाने में कुछ हद तक आगे बढ़ जाते हैं। श्रद्धा कपूर की नई पोस्ट देखकर उनके फैंस को बड़ा मजा आ रहा है। इससे शायद कुछ वैलेंटाइन मनाने वाले कपल्स दुखी भी हो सकते हैं। श्रद्धा ने हाल ही में वैलेंटाइन वीक के दौरान इंस्टाग्राम पर अपने प्यारे पेट डॉग के साथ अपना एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में, वह चंचलता से अपने प्यारे दोस्त से किस के लिए पूछती हैं, और छोटा डॉग उनकी बात मान लेता है। फिर वो चुटकी लेती हैं, अगर आपको किस्सी ऑन-डिमांड नहीं मिल रही है तो लाइफ में कुछ गलत कर रहे हो। एक्ट्रेस ने कैप्शन में पूछा, आज कौन सा दिन मना रहे हैं निब्बा-निब्बी। श्रद्धा कपूर के पास बॉलीवुड में फिल्मों का भंडार है। पिछले साल, उन्होंने रणबीर कपूर के साथ लव रंजन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया था। इस फैमिली ड्रामा फिल्म की सफलता को देखते हुए, फैंस बड़े पर्दे पर उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लगातार मौके मिलने पर भड़के संजय मांजरेकर

केएस भरत का प्रदर्शन टीम में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा

नईदिल्ली, एजेंसी

संजय मांजरेकर ने कहा कि ऋषभ पंत कभी भी टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं. लिहाजा, मुझे नहीं लगता है कि ऐसे हालात में केएस भरत पर इतना निवेश करना जायज है। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनों टेस्ट मैचों में केएस भरत ने निराश किया. लेकिन इसके बावजूद तीसरे टेस्ट के लिए केएस भरत को भारतीय टीम का हिस्सा बनाया गया है. जिसके बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने अपनी भड़ास निकाली है. संजय मांजरेकर ने कहा कि केएस भरत को देखकर ऐसा लगता है कि मानो वह अपनी पहली टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, यह विकेटकीपर बल्लेबाज पहले खेल चुका है।

मांजरेकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चारों टेस्ट मैचों में केएस भरत खेले. ऋषभ पंत कभी भी टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं. लिहाजा, मुझे नहीं लगता है

कि ऐसे हालात में केएस भरत पर इतना निवेश करना जायज है. मांजरेकर ने कहा कि ईशान किशन इतना कर चुके हैं कि इस खिलाड़ी की टीम इंडिया में आसानी से जगह बनती है। भारतीय टीम मैनेजमेंट सबके साथ समान रवैये में यकीन रख रही है, लेकिन मेरा निजी तौर पर मानना है कि ऋषभ पंत की वापसी से पहले किसी अन्य विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए, ना कि केएस भरत पर... इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में केएस भरत ने 41 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 28 रन बनाकर चलते बने. इसके बाद विशाखापट्टनम टेस्ट की पहली पारी में पहली पारी में 17 रनों का योगदान दिया. जबकि दूसरी पारी में महज 6 रन बनाकर पवैलियन का रूख कर गए।

बॉलर आईपीएल में दिखाएगा जलवा

लखनऊ सुपर जायंट्स में मार्क की जगह शमार जोसेफ की एंट्री

डॉर्सेट, एजेंसी

आईपीएल में दिखेगा जलवा लखनऊ सुपर जायंट्स ने वेस्टइंडीज के घातक बॉलर शमार जोसेफ को टीम में एंट्री दी है. जोसेफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में खेलते हुए नजर आएंगे. उन्हें मार्क वुड की जगह लखनऊ की टीम में जगह मिली है. जोसेफ का अब तक प्रदर्शन शानदार रहा है. उन्होंने हाल ही में इंटरनेशनल डेब्यू किया है और डेब्यू सीरीज में ही तोड़-फोड़ बॉलिंग करके सबको फैन बना लिया है. जोसेफ को लखनऊ ने 3 करोड़ में खरीदा है.

आईपीएल ने बयान जारी करके बताया कि लखनऊ ने शमार जोसेफ को टीम में शामिल किया है. जोसेफ को मार्क वुड की जगह टीम में जगह मिली है. उन्होंने हाल ही में गाबा में खेले गए टेस्ट मैच में घातक बॉलिंग की थी. दूसरी पारी में 7 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेस्टइंडीज को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी. जोसेफ पहली बार आईपीएल में खेलते हुए नजर आएंगे. लखनऊ को उन्हें 3 करोड़

रुपए चुकाने होंगे. शमार ने इसी साल जनवरी में इंटरनेशनल डेब्यू किया था. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 जनवरी से एडिलेड में खेले गए टेस्ट मैच से डेब्यू किया. शमार ने वेस्टइंडीज के लिए अब तक खेले 2 टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए हैं. इस दौरान एक पारी में 68 रन देकर 7 विकेट लेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है. जोसेफ ने 2 टी20 मैच खेले हैं. उन्होंने 7 फर्स्ट क्लास मैचों में 34 विकेट लिए हैं. इस दौरान एक पारी में 68 रन देकर 7 विकेट लेना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है. वे बैटिंग में भी हाथ आजमा चुके हैं। गौरतलब है कि मार्क वुड 2022 से लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ थे. उन्हें टीम ने 7.50 करोड़ रुपए में खरीदा था. लेकिन वे चोट की वजह से खेल नहीं पाए।

बाबिल ने पिता इरफान के लिए लिखा मैसेज

एक्टर बाबिल खान ने पिता इरफान खान की याद में एक इमोशनल पोस्ट शेयर लिखा है। उन्हें एक ऐसा काम था जो करना था पर वह नहीं कप पाए, जिसका उन्हें मलाल है। बॉलीवुड के पसंदीदा एक्टर इरफान का निधन 2020 में हुआ था। अब 4 साल बाद बाबिल खान ने पिता को याद कर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि वह हमेशा से पिता के साथ डांस करना चाहते थे। बाबिल ने पिता के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की है और कुछ खास पल की यादें बताई हैं। बाबिल के पोस्ट से पता चल रहा है कि वह आज भी कितना ज्यादा इरफान खान को याद करते हैं। बाबिल खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया। उसमें नाव पर खड़े पिता-पुत्र की तस्वीर है। जहां इरफान एक तरफ खड़े है और बाबिल दूसरी तरफ देख रहे हैं। बाबिल ने अपने पोस्ट की शुरूआत में लिखा है, कोई भी उसे उस तरह नहीं जानता था जैसा मैंने जाना, किसी ने भी मुझे उस तरह नहीं जाना जैसे उसने जाना। यह कहना आसान है, उसे याद करना आसान है। उसे खोने के बारे में भावुक होना और रोना आसान है। यह आसान है। क्या आप जानते हैं कि कठिन क्या है? उसकी आवाज में उस आनंद को याद करने के लिए जब वह उसे ऊंची आवाज में उठाकर चिल्लाते थे 'बाबिलुउउउ!!!' हर बार वह मुझे देखता था। बाबिल के आगे लिखा- काश, काश मैं आपके साथ एक बार डांस कर पाता। पर ये पूरा नहीं हुआ। बता दें, बाबिल ने अपनी पहली फिल्म काला से बॉलीवुड में एंट्री की है। वह के के मेनन, आर. माधवन, दिव्येंदु के साथ द रेलवे मेन में भी दिखाई दिए थे। 18 नवंबर को रिलीज हुई ये वेब सीरीज भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित है।

हर दो घंटे में सामान्य पानी से धोएं आंखें, स्क्रीन टाइम घटाएं

स्क्रीन से बचाव

फोन या कम्प्यूटर की स्क्रीन लिमिट सेट करें। इससे डिजिटल आई सिंड्रोम की समस्या हो सकती है। मायोपिया, कैरिटोकोनस, ड्राइनेस जैसी समस्याएं स्क्रीन के कारण बढ़ रही हैं। अत: लुब्रिकेटिंग ड्रॉप्स का इस्तेमाल करें।

ये उपाय अपनाएं

कालापानी, मोतियाबिंद जैसी दिक्कतों में हर तीन महीने में दिखाएं। 20-20-20 जैसी आंखों की एक्सरसाइज करें, इससे भी आंखों की हेल्थ बेहतर होगी। ज्यादा समस्या हो तो तुरंत उपचार लें।

Life&Style METRO

आंखों की केयर करने के लिए सबसे जरूरी है, वर्ष में एक बार नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाएं। आंखों पर ध्यान दें, इसके लिए प्रोटेक्टिव चश्मा पहनें। धूल, धूप आदि से बचाएं। हर दो घंटे बाद सामान्य पानी से धोएं। इंडस्ट्रियल काम करते हैं तो ध्यान रखें। अंधता निवारण और दृश्यता से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य के साथ मनाए जाने वाले विश्व दृष्टि दिवस की थीम है, लव यॉर आइज। बेहतर दिनचर्या व खानपान के साथ दिनभर में मात्र 20 से 30 मिनट का समय देकर आंखों की अच्छी देखभाल की जा सकती है।

ये जांच करवाएं: नजर का दायरा और आंखों का प्रेशर, ये दोनों जांच विशेषज्ञ की देखरेख में करवाएं। इससे ग्लूकोमा जैसे गंभीर रोग का समय रहते पता कर सकते हैं। पिछले परदे की जांच भी करवाएं। फास्ट फूड सहित अनहेल्दी डाइट से बचें। शरीर स्वस्थ हो तो आंखें भी स्वस्थ होंगी, अत: पोषक आहार लें। डायबिटीज से आंखों के परदे पर असर पड़ता है, जिसे रोक सकते हैं। शुगर कंट्रोल करने के लिए एक्सरसाइज करें व मीठे से बचें।

ऐसे समझें विटामिन बी की कमी हो रही है, हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन बी महत्त्वपूर्ण हैं। विटामिन बी आठ तरह के होते हैं, जिसमें बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, बी7, बी9 और बी12 शामिल हैं। इन्हें विटामिन बी कॉम्प्लेक्स कहा जाता है। शरीर को फैट व प्रोटीन का उपयोग करने में मदद करते हैं।

ऐसे पहचानें विटामिन बी समूह की कमी को....

मुंह में छाले होना: विटामिन बी6 व बी1 की कमी के चलते ओरल समस्या हो सकती है, इसलिए यदि मुंह में छाले होते हैं तो यह विटामिन बी6 व बी1 की कमी हो सकती है।

पैरों में सुनापन, झनझनाहट: शरीर के लिए विटामिन बी 12 आवश्यक होता है। विटामिन बी 12 का असर शरीर की नसों पर पड़ता है और यह दृष्टि पर भी प्रभाव डालता है।

खून की कमी: विटामिन बी 12 शरीर में रक्त की कमी के लिए भी जिम्मेदार है।

- हरी पत्तेदार सब्जियों में अधिक मात्रा में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स होते हैं।
- डेयरी उत्पाद जैसे चीज में अब विटामिन बी 12 का उपयोग किया जाने लगा है।
- संतुलित डाइट लें। एक्सरसाइज और योग नियमित करें। तनाव से दूर रहें।
- अनावश्यक रूप से विटामिन की गोलियां खुद ही न लें। जरूरत पड़ने पर डॉक्टरी सलाह से ही लें।

नहीं लग पा रहा ट्रेनों में चोरी पर अंकुश, पुरानी चोरियों का भी अब तक सुराग नहीं

श्रीधाम एक्सप्रेस में सफर कर रही युवती का एक लाख का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्रीधाम एक्सप्रेस में सवार होकर नर्मदापुरम से दिल्ली जा रही एक युवती का लेडीज पर्स चलती ट्रेन में चोरी हो गया। चोरी गए पर्स में करीब एक लाख रुपए का सामान रखा हुआ था। क्यूआईआरटी ने चलती ट्रेन में युवती की रिपोर्ट दर्ज कर डायरी जीआरपी भोपाल भेजी, जहां असल कायमी कर ली गई है।

पुलिस के मुताबिक नर्मदापुरम निवासी प्रियंका विश्वास गत दिवस श्रीधाम एक्सप्रेस के कोच नंबर एस-11 में नर्मदापुरम से दिल्ली की यात्रा कर रही थी। उन्होंने अपनी लेडीज पर्स सिर के नीचे रख लिया था। भोपाल रेलवे स्टेशन निकलने के बाद देखा तो पर्स गायब था। पर्स के अंदर रियलमी कंपनी का 16 हजार रुपए कीमत का मोबाइल, 20 हजार

रुपए के कान के सोने के झुमके, 40 हजार रुपये कीमत की एक सोने की चेन, ढाई हजार रुपये कीमत के दो मोबाइल चार्जर और नकदी 20 हजार रुपए समेत करीब एक लाख रुपये का सामान रखा हुआ था। जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें पुरानी चोरियों का भी अब तक सुराग नहीं लगा है।

बिलासपुर एक्सप्रेस में युवक का मोबाइल चोरी

अहमदाबाद गुजरात निवासी प्रदीप यादव गत दिवस बिलासपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस के आगे की तरफ जनरल कोच में उज्जैन से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन जब संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पहुंची तो किसी ने उनकी जेब में रखा वीवो कंपनी का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है। ट्रेन के भोपाल पहुंचने पर प्रदीप ने जीआरपी जाकर मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

शालीमार एक्सप्रेस में युवती का लेडीज पर्स चोरी

अहमदाबाद से राउरकेला की यात्रा कर रही एक युवती का सफर के दौरान लेडीज पर्स चोरी चला गया। पर्स के अंदर मोबाइल फोन, ब्रेसलेट और 11 हजार रुपये नकदी समेत हजारों का सामान चोरी चला गया। घटना संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के आसपास हुआ। जीआरपी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अंजली नंदा अपनी मां विनोदिनी नंदा के साथ भुज-शालीमार एक्सप्रेस में अहमदाबाद से राउरकेला की यात्रा कर रही थी। रात करीब एक बजे सीट पर सोते समय उन्होंने अपनी लेडीज पर्स सिरहाने रख लिया था। सुबह नींद खुली तो देखा कि पर्स गायब है। पर्स में आधार कार्ड, नकद 11 हजार रुपए, दवाइयां, सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन और ब्रेसलेट समेत अन्य सामान रखा हुआ था। काफी तलाश करने के बाद भी जब पर्स का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने रेलवे

इंक्वारी के टोल फ्री नंबर पर शिकायत की। उसके बाद जीआरपी ने चोरी का केस दर्ज कर लिया।

काउंटर पर रखा मोबाइल चोरी

भोपाल निवासी विशाल शर्मा भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 4 पर स्थित खानपान के स्टाल पर काम करते हैं। गत दिवस वह काम करने पहुंचे और अपना मोबाइल फोन काउंटर पर रखकर ग्राहकों को सामान देने लगे। कुछ समय बाद देखा तो काउंटर पर रखा उनका मोबाइल फोन गायब था। चोरी गए मोबाइल वन प्लस नोड सी की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर बंसल वन स्थित फायनेंस कंपनी में काम करने वाले डिप्टी मैनेजर निमित कुमार पटेरिया की पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी हो गई। तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने जीआरपी थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

भोपाल से इटारसी जा रहे दो युवकों के मोबाइल चोरी

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए पंजाब मेल और मंगला एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे दो यात्रियों की जेब से कीमती मोबाइल फोन चोरी हो गए। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक जबलपुर निवासी जीशान रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पंजाब मेल में पीछे की तरफ जनरल कोच में सवार होकर इटारसी की यात्रा कर रहा था। जीशान ने अपना सफेद कलर का आईफोन-11 पैंट की जेब में रखा था। ट्रेन जब औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन से निकल रही थी, तभी जीशान ने देखा तो पैंट की जेब में रखा उसका आईफोन गायब हो चुका था। चोरी गए आईफोन की कीमत 47 हजार रुपए बताई गई है। जीशान में मोबाइल चोरी की रिपोर्ट इटारसी जीआरपी में दर्ज कराई थी। केस डायरी आने के बाद रानी कमलापति जीआरपी ने असल कायमी कर ली है। इसी प्रकार भोपाल निवासी विनय कुमार का मंगला एक्सप्रेस में सफर के दौरान 12 हजार पांच सौ रुपये का मोबाइल फोन चोरी हो गया। पुलिस ने बताया विनय कुमार बोल नहीं सकते हैं। उन्होंने अपने अनुवादक अजय वर्मा के साथ थाने पहुंचकर मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। विनय ने पुलिस को बताया कि सात फरवरी को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मंगलवा एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होकर इटारसी जा रहे थे, तभी औबेदुल्लागंज स्टेशन के पास देखा तो उसका मोबाइल किसी ने चोरी कर लिया था। इटारसी से वापस लौटने के बाद विनय ने अपने साथी के साथ जीआरपी पहुंचे और चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस दोनों मामलों में आरोपियों की तलाश कर रही है।

आरक्षक ने युवती से किया बलात्कार, दैहिक शोषण के बाद शादी से भी मुकरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र में पुलिस विभाग के आरक्षक द्वारा युवती से दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। शादी का झांसा देकर आरक्षक करीब दो साल से युवती का दैहिक शोषण कर रहा था। युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरक्षक ने अपना मोबाइल बंद कर लिया और उससे दूरी बना ली। पुलिस ने युवती की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, करोंद निवासी 25 वर्षीय युवती प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। तीन साल पहले उसकी मुलाकात आरक्षक रजत कनेष से हुई। दोनों का प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। रजत ने उसे शादी का झांसा दिया। युवती ने पुलिस को बताया कि लगभग दो साल पहले आरोपी उसे आईबीडी कॉलोनी मिसरोद में अपने दोस्त के कमरे में लेकर पहुंचता था और उससे शारीरिक संबंध बनाता था। हालही में जब युवती ने आरक्षक रजत पर शादी के लिए दबाव बनाया तो वह शादी से मुकर गया। इतना ही नहीं उसने अपना मोबाइल नंबर भी बंद कर लिया। युवती शिकायत करने थाने पहुंची तो पुलिस ने विभाग की बदनामी न हो इसलिए पहले शिकायत नहीं की और रजत से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन रजत का मोबाइल बंद था। पुलिस चाहती थी कि दोनों में रजामंदी हो जाए और रजत उससे शादी कर लें, लेकिन रजत से संपर्क नहीं हो सका और पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया।

शादी का झांसा देकर युवक ने पांच महीने तक किया महिला का शारीरिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर उसके परिचित युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने जब युवक पर शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने इंकार कर दिया। परेशान होकर महिला ने थाने जाकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पुलिस के मुताबिक शाहपुरा इलाके में रहने वाली 47 वर्षीय महिला पुराने शहर में प्रायवेट काम करती थी। इस दौरान उसकी मुलाकात विष्णु वल्लभ शर्मा नामक युवक से हुई थी। आए दिन होने वाली मुलाकातों के चलते दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इस दौरान विष्णु ने महिला को शादी करने का वायदा करते हुए उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने शुरू कर दिए। कुछ समय बाद महिला के पति को इसका पता चला तो उसने महिला को छोड़ दिया और अलग रहने लगा। महिला ने जब विष्णु पर शादी के लिए दबाव डाला तो उसने शादी करने से इंकार कर दिया। परेशान होकर पीड़िता ने कोहेफिजा थाने जाकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

शादी के एक साल बाद ही नवविवाहिता ने फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी नगर में रहने वाली एक नवविवाहिता ने शनिवार को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। करीब एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मामला नवविवाहिता से जुड़ा होने के कारण जांच एसीपी द्वारा की जाएगी। पुलिस के मुताबिक पिंकी किरार (24) शिवाजी वार्ड गांधी नगर में रहती थी।

करीब एक साल पहले उसकी विदिशा निवासी अजय सिंह से शादी हुई थी। शादी के बाद पिंकी विदिशा चली गई थी। करीब एक महीने पहले वह मायके आई थी। पति अजय भी अपनी ससुराल में रहकर प्रायवेट काम करने लगा था। शनिवार दोपहर के समय पिंकी ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। अजय से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी। जांच के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

सार्वजनिक स्थानों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाने की कार्रवाई शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यातायात पुलिस ने नगर निगम के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों और सड़क किनारे खड़े कंडम वाहनों को हटाने की कार्रवाई शनिवार से शुरू कर दी। पुलिस ने पूर्व में वाहन स्वामियों से अपने वाहन हटाने की अपील की थी। इस अपील के बाद भी जब लोगों ने वाहन नहीं हटाए तो पुलिस ने कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार भोपाल शहर में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर खड़े कंडम एवं लावारिस वाहन यातायात को बाधित करते थे। इनसे हादसों की आशंका भी बनी रहती थी। ऐसे वाहनों के विरुद्ध नगर निगम एक्ट एवं मोटर व्हीकल एक्ट के अन्तर्गत नगर निगम एवं भोपाल पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाई शुरू की गई है। शनिवार को जीएडी ओवर ब्रिज के नीचे एवं पुराना आरटीओ ऑफिस के पास थाना कोहेफिजा आम रोड पर अवैध रूप से खडे चार पहिया एवं दोपहिया वाहनों को क्रेन की मदद से उठाया गया। कुछ वाहनों को मौके पर ही मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाई की गई। जब्त किए गए वाहनों को टीटी नगर दशहरा मैदान स्थित नगर निगम पार्किंग में खड़ा किया गया है। इनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। नगर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

युवती के साथ युवक ने सरेराह की अश्लील हरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 21 वर्षीय युवती खाना बनाने का काम करती है। उसी के मोहल्ले में रहने वाले अमन नामक युवक से उसकी पहचान थी। अमन एक फूड डिलेवरी करने वाली कंपनी में डिलीवरी ब्वाय का काम करता है। पिछले करीब एक साल से युवती ने अमन से बातचीत करना बंद कर दिया था। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे युवती अस्सी फीट रोड से निकल रही थी, तभी अमन ने उसे रोक लिया और अश्लील हरकत करने लगा। युवती रोने लगी तो राहगीरों ने उससे रोने का कारण पूछा। इस दौरान अमन मौके से भाग निकला। बाद में पीड़िता ने घर जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी और फिर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

बड़े तालाब से मिली बुजुर्ग व्यक्ति की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ स्थित बूड़ाखेड़ा के पास बड़े तालाब से अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति की लाश बरामद हुई। शव तीन-चार दिन पुराना होने के कारण पूरी तरह से डीकम्पोज हो गया था। पुलिस के मुताबिक शनिवार को जेसीबी मशीन से बूड़ाखेड़ा प्लांट के पास साफ सफाई चल रही थी। इसी बीच झाड़ियों में करीब 70 साल के एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों और गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

आदतन अपराधी को किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस ने एक आदतन बदमाश को जिला बदर का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार किया है। आरोपी जिला बदर होने के बाद भी शहर में घूम रहा था। ऐसे में उसे गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई की जा रही है। अशोका गार्डन थाना पुलिस ने बताया कि अशोका गार्डन सेठी नगर निवासी आदतन अपराधी नफीस उर्फ अंसारी थाना क्षेत्र का निवासी है। कुछ दिनों पहले उसके आपराधिक रिकॉर्ड के कारण उसे जिला बदर किया गया था। इसके बाद भी वह शहर में ही घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर उसे थाना क्षेत्र में घूमते हुए पकड़ा गया।

मेट्रो एंकर राजधानी पुलिस और सेबी ने की निवेशक जागरूकता को लेकर बैठक

'निवेशकों से धोखाधड़ी किए जाने पर सेबी ने बहुत ठोस कदम उठाये हैं'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस आयुक्तालय नवीन पुलिस नियंत्रण कक्ष, मालवीय नगर भोपाल, के मुख्य परिसर में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) एवं नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के तत्वाधान में संयुक्त रूप से निवेशक जागरूकता पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेमिनार में पुलिस आयुक्तालय नवीन पुलिस नियंत्रण कक्ष के सभी वरिष्ठ अधिकारयों ने हिस्सा लिया। सेमिनार को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य निवेशकों के हित के लिए सेबी द्वारा उठाये गए कदमों को बताना एवं साथ ही साथ सही वित्तीय योजना बनाते हुए प्रतिभूतियों के बारे में लोगों को अवगत कराना था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सेबी के बी जे दिलीप, (सीजीएम), नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के मनीष शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेबी के बीजे दिलीप, (सीजीएम) ने जीवन के विभिन्न चरणों में बचत के विभिन्न तरीकों के साथ साथ निवेश के तरीकों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने ये भी बताया कि सेबी के द्वारा निवेशकों के हितों का ध्यान रखते हुए नए दिशानिर्देश बनाये जा रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि प्रतिभूति बाजार में किसी भी मध्यस्थ जैसे एजेंट, दलाल, कंपनी, मर्चेंट बैंकर आदि द्वारा निवेशकों से धोखाधड़ी किये जाने पर सेबी ने बहुत ठोस कदम उठाये हैं। निवेशक स्कोर्स कि वेबसाइट पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं / सेबी के द्वारा हाल ही में सारथी एप्प भी जारी किया गया है, जिसे डाउनलोड करके निवेशक सुरक्षित निवेश कर सकते हैं। भारत एक विकासशील देश के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है। निर्यात, कृषि, एम् एस एम् ई, स्टार्ट अप जैसे कई क्षेत्रों में देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत हो रही है, यही सही समय है कि जब लोगों को प्रतिभूति बाजार के विषय में विस्तार से जानकारी मिले, ताकि लोग अपने हितों का ध्यान रखते हुए सही एवं सुरक्षित निवेश के तरीके को समझ सके और एक बेहतर वित्तीय प्रबंधन की ओर अग्रसर हो / द्वितीय सत्र में नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के मनीष शर्मा ने शेयर बाजार में स्टॉक एक्सचेंज की भूमिका के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी / उन्होंने बताया कि किस प्रकार से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में किस प्रकार से कंपनियों की रैंकिंग के आधार पर अंशो को सूचीबद्ध किया जाता है / निवेशकों को निवेश करने से पूर्व कंपनी की बैलेंस शीट, पिछले वर्षों के प्रदर्शन एवं सेबी के मापदंडों को ध्यान में रखते हुए पंजीकृत एजेंट के द्वारा ही निवेश करना चाहिए / यह कार्यक्रम पूरे मध्य प्रदेश राज्य के हर जिले में सेबी के द्वारा आयोजित किया जा रहा है / जिसमें लगभग 100 वरिष्ठ अधिकारयों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

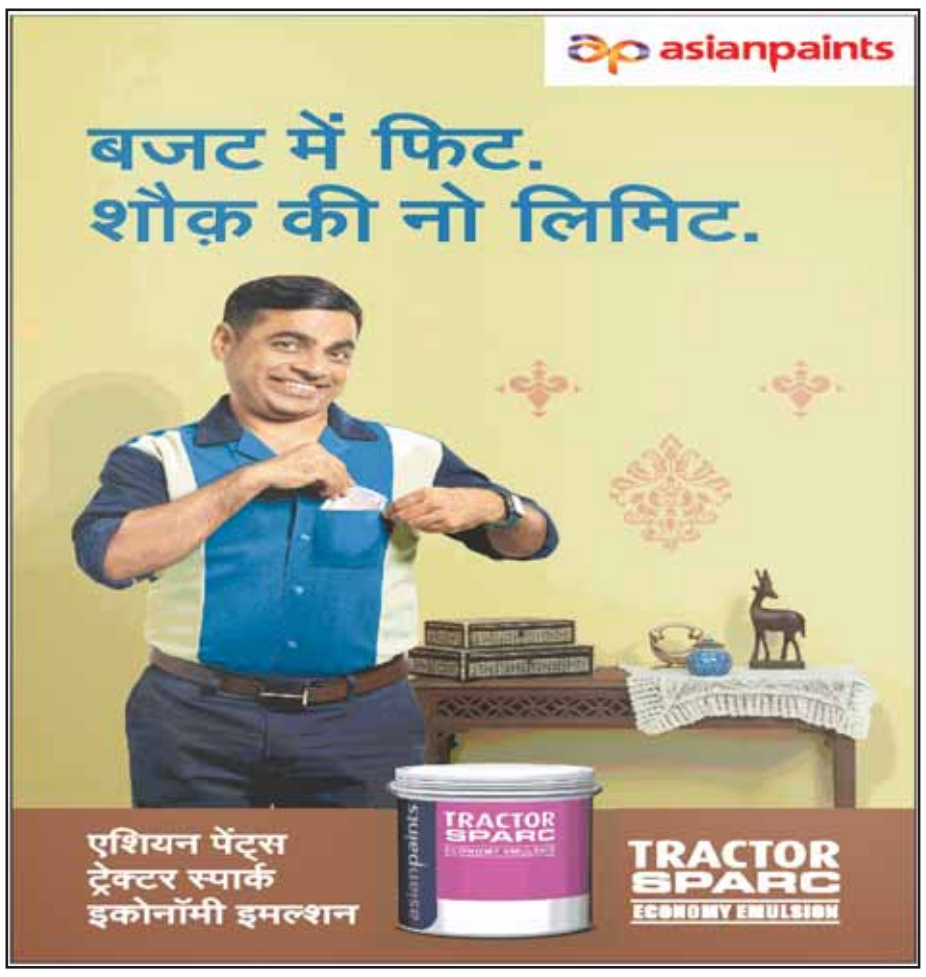

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022